Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

मंत्र भारत

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 40
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
मंगलवार ,09 सितम्बर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 आमजन से व्यवहार ठीक रखें जनसेवक, दुर्व्यवहार
4 कांग्रेस के कुए में है भंग- ऐसा बोले उमंग
5 बेबी शावर पार्टी में प्रेग्नेंट जॉर्जिया हैरिसन का ..

पीएम के जन्मदिन पर शुरू होने जा रहा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन इस बार भी देशभर में खास अंदाज में मनाया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक श्सेवा पखवाड़ाश आयोजित करने की घोषणा की है। इस दौरान देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य आकर्षण 17 सितंबर को पीएम मोदी द्वारा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ होगा। इस अभियान का लक्ष्य देशभर में महिलाओं और बच्चों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करना, बेहतर पहुंच, गुणवत्तापूर्ण देखभाल और जागरूकता सुनिश्चित करना है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर इस अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में 75,000 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हैं, जहां उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाएंगी। यह कदम सरकार के समावेशी स्वास्थ्य सेवा के दृष्टिकोण को मजबूत करता है। नड्डा ने आगे बताया कि इस अभियान के तहत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण माह मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य पोषण, स्वास्थ्य जागरूकता और समग्र कल्याण को बढ़ावा देना है। ये पहल स्वस्थ परिवारों और सशक्त समुदायों के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े हितधारकों से इस जनभागीदारी अभियान में शामिल होने की अपील की। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, भारत प्रथम को अपनी प्रेरणा मानते हुए, आइए हम विकसित भारत के लिए अपने सामूहिक प्रयासों को मजबूत करें।

सीएम धामी ने की बैठक: चारधाम यात्रा सुचारू कराने पर जोर, कहा-आपदा प्रबंधन और कानून व्यवस्था पर दें ध्यान

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में शासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन एवं जनसुविधाओं से संबंधित व्यापक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनता को त्वरित राहत, सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्षा काल तक राहत सामग्री एवं ड्राई राशन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। आपदा प्रभावितों के ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। फसलों, पेयजल लाइन एवं सरकारी संपत्तियों को हुए नुकसान का त्वरित आकलन कर शासन को रिपोर्ट भेजी जाए। नदी-नालों के पास निर्माण की अनुमति पर प्रतिबंध सख्ती से लागू किया जाए। प्रतिबंधों का अनुपालन न करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को मानककों के अनुसार त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी समय-समय पर अस्पतालों का निरीक्षण करें और विभिन्न व्यवस्थाओं का आकलन करें। डेंगू, मलेरिया और अन्य जलजनित रोगों से बचाव के लिए अस्पतालों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी जिलाधिकारी अपने-अपने जनपदों में स्वास्थ्य विभाग की शीघ्र बैठक करें।

राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव, बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पप्पू यादव का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्णिया से लोकसभा सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी की जीत की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि संवैधानिक दायित्वों और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाना है तो सभी दलों को इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को वोट देना चाहिए। पप्पू यादव ने सोमवार को आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, उपराष्ट्रपति चुनाव में सभी पार्टी के अपने अधिकार हैं। मुझे लगता है कि इस चुनाव में बेहतर करने का समय है। वह एक विद्वान और पूर्व न्यायाधीश हैं और मेरा मानना है कि पार्टी से ऊपर उठकर सबके हित में न्याय करेंगे। संवैधानिक दायित्वों और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाना है तो सभी दलों को इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को वोट देना चाहिए। राहुल गांधी के विचारों और संघर्षों के साथ खड़ी है बिहार की जनता बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चल रही चचाओं पर पप्पू यादव ने कहा, इस बात का फैसला प्रभारी और पार्टी के अध्यक्ष को करना है। कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी ने समाज में एक उम्मीद और विश्वास जगाने का काम किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने की सीएम रेवंत रेड्डी के खिलाफ भाजपा की याचिका खारिज

बोले गवई- अदालत राजनीतिक उठा-पटक का मैदान नहीं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने कथित आपराधिक मानहानि के एक मामले में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को राहत देते हुए उनके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना शाखा की याचिका को सोमवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज की। याचिका में तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें भाजपा के राज्य महासचिव करम वेंकटेश्वर राव की ओर से मुख्यमंत्री रेड्डी के खिलाफ मानहानि संबंधी मुकदमे को खारिज

कर दिया गया था। पीठ की ओर से मुख्य न्यायाधीश ने याचिका खारिज करने का आदेश सुनाते हुए याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार से कहा, हमने कई मौकों पर दोहराया है कि अदालतों को राजनीतिक उठा-पटक का मैदान नहीं बनाया जा सकता।भाजपा की ओर से दर्ज आपराधिक मुकदमे में मुख्यमंत्री रेड्डी के बयान आधार बनाया गया था। लोकसभा के 2024 के चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेता श्री रेड्डी ने कथित तौर पर अपने भाषण में संकेत दिया था कि यदि भाजपा के इस चुनाव में 400 से अधिक सीटें हासिल हुई तो वह संविधान में बदलाव करेगी और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण आरक्षण खत्म कर देगी।

पहले एक ही परिवार के लोग पैसा लेकर करते थे भर्ती, अब काबिलियत को मिल रही पहचान: सीएम

लखनऊ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन की प्रक्रिया आज नए उत्तर प्रदेश की नई तस्वीर है। पहले एक परिवार के लोग पैसा लेकर भर्ती करते थे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएससी) द्वारा नवचयनित 1,112 कनिष्ठ सहायकों एवं 22 एक्स-रे टेक्नीशियनों के नियुक्ति-पत्र वितरण के लिए आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता को लूटते थे। जांच की जाएगी, तो बहुत सारे ऐसे महाभारत के रिश्ते बाकी का जीवन जेल में ही बिताने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि नौजवानों को आज

प्रदेश के अंदर नौकरी की गारंटी मिली है। हर योग्य व्यक्ति को आगे बढ़ाने के लिए सरकार तेजी के साथ कार्य कर रही है। योगी ने कहा कि सभी नवचयनित युवाओं को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं ।इतनी बड़ी संख्या में नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रही है।उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता का ही परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है। अब तक लगभग 80 लाख से अधिक लोगों नेह्यआयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनाश्की सुविधा का लाभ लिया है। कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र पाने वाली श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि पहले की सरकारों में नियुक्ति के लिए रिश्वत देनी पड़ती थी, लेकिन आज नियुक्ति सिर्फ काबिलियत के दम पर मिलती है। सरकारी नौकरी के लिए रिश्वत गुजरे जमाने की बात हो गई। मुख्यमंत्री ने पारदर्शी प्रक्रिया से नियुक्ति देकर उत्तम प्रदेश का नया मार्ग बनाया है। इस नौकरी के लिए सिफारिश या एक रुपये रिश्वत भी नहीं देनी पड़ी। इसके लिए मुख्यमंत्री जी का दिल से आभार व्यक्त करती हूं। अयोध्या के आदित्य पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की वजह से हम सभी निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा बन पा रहे हैं। सरकार सुरक्षा से लेकर रोजगार देने तक संवेदनशील है। आठ वर्ष में महिलाओं को भी बड़ी तादाद में नियुक्तियां दी गई हैं।

रामदास आठवले ने किया दावा, उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन की होगी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 9 सितंबर को होगा। उससे पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में सीपी राधाकृष्णन की जीत होगी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा, उपराष्ट्रपति पद के लिए कल मतदान होगा और इसी सिलसिले में एनडीए के सभी सांसद दिल्ली आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए के पास पूर्ण बहुमत है। हमें उम्मीद है कि सीपी राधाकृष्णन बड़े अंतर के साथ इस चुनाव में जीत दर्ज करेंगे। हमारी पार्टी का पूरा समर्थन राधाकृष्णन के साथ है और मैं उनके पक्ष में ही मतदान करूंगा। भाजपा सांसद जगन्नाथ सरकार ने एनडीए उम्मीदवार की जीत का दावा किया।

नेपाल में सोशल मीडिया बैन: सड़क पर युवाओं का बवाल, संसद भवन में भी घुसे

पुलिस फायरिंग में 14 की मौत, 42 घायल

काठमांडू (एजेंसी) : भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले के खिलाफ नेपाल में युवाओं ने सोमवार को काठमांडू में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। जेनरेशन जेड पीढ़ी के युवाओं ने सड़कों पर सरकार के फैसले के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान लोग काफी उग्र हो गए। देखते ही देखते हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और हाल ही में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। जेनेरेशन जेड ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। युवाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कई प्रदर्शनकारी संसद भवन में भी घुस गए। सुरक्षा बलों की ओर से जब उन्हें रोकने की कोशिश की गई, तब वे और बेकाबू हो गए और

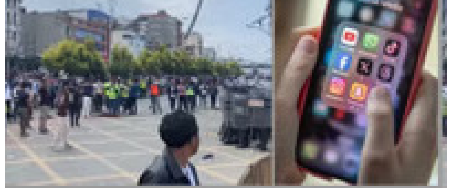

बैरिकेड कूदकर इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान सुरक्षा बलों पर पथराव भी किया गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए हल्का लाठी चार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े। पानी की बौछार की और कुछ जगहों पर फायरिंग भी की। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 14 लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। काठमांडू के न्यू बानेश्वर और झापा जिले के दमक में सबसे ज्यादा हालात खराब हैं। द हिमालयन टाइम्स के मुताबिक, न्यू बानेश्वर में हिंसक झड़पों के दौरान गोली लगने से घायल हुए प्रदर्शनकारी ने सिविल अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस समय कई घायल व्यक्तियों की पहचान अब भी ज्ञात नहीं है। दमक में प्रदर्शनकारियों ने दमक चौक से नगरपालिका कार्यालय की ओर मार्च किया, जहां उन्होंने नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का पुतला फूंका और कार्यालय के द्वार तोड़ने का प्रयास किया। हालात और न बिगड़ें, इसके लिए सेना को मोर्चे पर उतार दिया गया है। पुलिस गोलीबारी में कुछ लोग घायल न्यू बानेश्वर में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए एवरेस्ट अस्पताल, सिविल अस्पताल और आसपास के अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है। कार्यकर्ता रोनेश प्रधान ने बताया कि हामी नेपाल संगठन ने प्रदर्शनकारियों को प्राथमिक उपचार प्रदान करने के लिए मैतीघर में एक प्राथमिक चिकित्सा शिविर स्थापित किया है। प्रधान ने कहा, 'मैतीघर में छह से सात लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि ज्यादातर घायल एवरेस्ट अस्पताल में हैं।'हालांकि, घायलों की सटीक संख्या की पुष्टि अब तक नहीं हुई है।

बिहार में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को बड़ा तोहफा, सीएम नीतीश ने बढ़ाई सैलरी, चुनाव से पहले किया बड़ा ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को बड़ा तोहफा दिया है। नीतीश कुमार ने उनका मानदेय बढ़ाने का ऐलान किया है। अब आंगनबाड़ी सेविका को 9,000 रुपए तथा आंगनबाड़ी सहायिका 4500 रुपए सैलरी मिलेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी जानकारी खुद सोशल मीडिया के जरिए दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुए हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका

का मानदेय 7,000 रूपए से बढ़ाकर 9,000 रूपए तथा आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4,000 रुपए से बढ़ाकर 4,500 रुपए करने हेतु विभाग को निदेशित किया गया है। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोगों ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये बड़े पैमाने पर काम किया है तथा इसके लिये समेकित बाल विकास परियोजना के माध्यम से 06 प्रकार की सेवायें प्रदान की जा रही हैं। इन सेवाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से लाभुकों को उपलब्ध कराने में आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं सहायिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सजा पूरी होने पर भी कैदी को जेल में रखा, एससी ने एमपी सरकार को दिया 25 लाख मुआवजा देने का निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को एक कैदी को 25 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह कैदी अपनी सजा पूरी करने के बाद भी चार साल सात महीने तक जेल में बंद रहा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने इस घटना को बेहद चौंकाने वाला बताते हुए कहा कि यह मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, जिसे किसी भी हाल में माफ नहीं किया जा सकता। बेंच ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कैदियों को सजा पूरी होने या जमानत मिलने के बाद भी जेल में रखना गंभीर लापरवाही है। कोर्ट ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को आदेश दिया है कि प्रदेश की सभी जेलों में सर्वे कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई कैदी अपनी तय सजा से अधिक न रहे। यह मामला सोहन सिंह नामक कैदी से जुड़ा है, जिसे 2005 में सागर जिले की खुरई अदालत ने रेप, घर में घुसपैठ और धमकी के मामले में दोषी ठहराकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

घटने लगा यमुना का जलस्तर ..लेकिन नहीं थम रहा बारिश का दौर, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को तेज हवाएं चलने और बारिश होने की संभावना है। यहां न्यूनतम तापमान 23.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो मौसम के औसत से 1.7 डिग्री कम है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 87 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 79 रहा, जो संतोषजनकह्व श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और

401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर सोमवार सुबह सात बजे खतरे के निशान से नीचे 205.22 मीटर पर दर्ज किया गया। एक दिन पहले, रविवार को जलस्तर 205.33 मीटर था। पानी का स्तर पिछले बृहस्पतिवार को 207.48 मीटर तक पहुंच गया था, जो इस मौसम का सबसे उच्चतम स्तर था। इसके बाद से जलस्तर में गिरावट आ रही है। सोमवार सुबह छह बजे जलस्तर 205.24 मीटर दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी के लिए चेतावनी का निशान 204.50 मीटर व खतरे का निशान 205.33 मीटर है, जबकि जलस्तर के 206 मीटर तक पहुंचने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य शुरू कर दिया जाता है। रविवार रात नौ बजे जलस्तर 205.33 मीटर दर्ज किया गया था। नदी मंगलवार को खतरे के निशान को पार कर गई थी, जिसके कारण पुराने रेलवे पुल पर आवाजाही बंद कर दी गई थी। मौजूदा स्थिति के कारण लगभग 10,000 लोगों विस्थापित किया जा चुका है।

राहुल गांधी के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पप्पू यादव का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्णिया से लोकसभा सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने उपराष्ट्रपति चुनाव में इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी की जीत की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि संवैधानिक दायित्वों और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाना है तो सभी दलों को इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को वोट देना चाहिए। पप्पू यादव ने सोमवार को आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, उपराष्ट्रपति चुनाव में सभी पार्टी के अपने अधिकार हैं। मुझे लगता है कि इस चुनाव में बेहतर करने का समय है। वह एक विद्वान और पूर्व न्यायाधीश हैं और मेरा मानना है कि पार्टी से ऊपर उठकर सबके हित में न्याय करेंगे। संवैधानिक दायित्वों

और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाना है तो सभी दलों को इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार को वोट देना चाहिए। राहुल गांधी के विचारों और संघर्षों के साथ खड़ी है बिहार की जनता बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चल रही चचाओं पर पप्पू यादव ने कहा, इस बात का फैसला प्रभारी और पार्टी के अध्यक्ष को करना है। कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी ने समाज में एक उम्मीद और विश्वास जगाने का काम किया है। मेरा मानना है कि बिहार अब बदलाव की ओर बढ़ गया है। बिहार की जनता राहुल गांधी के विचारों और संघर्षों के साथ खड़ी है। मुझे लगता है कि बिहार ही देश को दिशा देने का काम करेगा। इस बार बिहार में बदलाव आएगा और बिहार विरोधी, युवा विरोधी तथा गरीब विरोधी सरकार को समाप्त करने का काम करेगी। राहुल गांधी के लिए सीटें मायने नहीं रखती, उनका उद्देश्य इंडिया गठबंधन को मजबूत करना है उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस के लिए हमेशा से ही विचारधारा और मुद्दे महत्वपूर्ण होते हैं। पार्टी के लिए इससे बड़ा और कुछ नहीं होता है। कांग्रेस हमेशा सामने के लक्ष्य को देखकर काम करती है और आज कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए सबसे बड़ा मुद्दा एनडीए है। राहुल गांधी के लिए सीटें मायने नहीं रखती हैं बल्कि उनका उद्देश्य इंडिया गठबंधन को मजबूत करना है।

गोरखपुर स्टेशन पर ट्रैक की सफाई करते हुए सफाईकर्मी

गोरखपुर,: सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 08 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह अभियान रेलवे के सभी क्षेत्रों जैसे-स्टेशनों, टेज्नों, कालोनियों, कार्यालयों, डिपो एवं कारखानों आदि में स्वच्छता के प्रति हमारे प्रयासों को सार्थक करेगा, साथ ही रेलकर्मियों एवं यात्रियों के बीच जागरूकता को भी बढ़ावा देगा। 08 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के लखनऊ जं0, गोरखपुर, ऐशबाग, खलीलाबाद, गोंडा, बस्ती, बादशाहनगर स्टेशनों तथा गोंडा रेलवे कालोनी में स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई सुनिश्चित की गयी। इसके अन्तर्गत खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा एवं लखनऊ जं0 स्टेशनों पर कार्यालयों की सफाई एवं सूखा एवं गीला कचरा हेतु डस्टबिन का प्रावधान किया गया। गोरखपुर स्टेशन पर प्लेटफार्म एवं ट्रैक किनारे गहन सफाई की गयी। ऐशबाग स्टेशन पर पेयजल स्थल तथा प्रसाधनों की सफाई सुनिश्चित की गयी। स्टेशनों को प्लास्टिक मुक्त बनाया गया तथा स्वच्छता कर्मियों एवं यात्रियों को प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। रेल कर्मियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा स्वच्छता पोस्टर, बैनर व स्वच्छता नारों के साथ स्वच्छता रैली निकाली गयी। स्वच्छता अभियान के दौरान वायो कम्पोस्टर मशीनों की सफाई सुनिश्चित की गयी तथा वाराणसी स्टेशन पर खड़ी गाड़ियों में प्रसाधन, वॉश बेसिन तथा कोचों की सफाई की गयी तथा स्टेशनों पर कचरा पृथक्कीकरण हेतु हरा, नीला एवं पीला डस्टबिन के प्रावधान सुनिश्चित किया गया तथा इसके उपयोग के बारें में सफाईकर्मियों एवं यात्रियों को जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के हल्द्वानी, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, टनकपुर, कासगंज, रावतपुर, काठगोदाम आदि सभी महत्वपूर्ण स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, प्लेटफार्म एवं वाशिंग लाइनों पर ट्रेनों की गहन सफाई की गयी। सुखे एवं गीले कचरे के डस्टबिन का प्रावधान सुनिश्चित किया गया। रामनगर कोचिंग डिपो में खड़ी गाड़ी में प्रसाधन तथा वाश बेसिन एवं कोचों की गहन सफाई की गयी।

जेनरेटर सह लगेजयान का 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 04010/04009 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन दिल्ली से 02 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा सीतामढ़ी से 03 अक्टूबर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को 09 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04010 दिल्ली-सीतामढ़ी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 02 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को दिल्ली से 23.05 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 23.54 बजे, दूसरे दिन हापुड़ से 00.50 बजे, मुरादाबाद से 02.40 बजे, बरेली से 04.12 बजे, शाहजहाँपुर से 05.45 बजे, सीतापुर से 07.55 बजे, गोंडा से 11.10 बजे, गोरखपुर से 14.10 बजे, बगहा से 18.27 बजे, नरकटियागंज से 19.20 बजे, सिकटा से 19.52 रक्सौल से 20.20 बजे तथा बैरगनिया से 21.22 बजे छूटकर सीतामढ़ी 22.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04009 सीतामढ़ी-दिल्ली साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 03 अक्टूबर से 28 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को सीतामढ़ी से 23.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन बैरगनिया से 00.27 बजे, रक्सौल से 01.35 बजे, सिकटा से 02.02 बजे, नरकटियागंज से 02.50 बजे, बगहा से 03.32 बजे, गोरखपुर से 09.00 बजे, गोंडा से 11.25 बजे, सीतापुर से 14.50 बजे, शाहजहाँपुर से 17.02 बजे, बरेली से 18.37 बजे तथा मुरादाबाद से 20.45 बजे, हापुड़ से 22.25 बजे तथा गाजियाबाद से 23.12 बजे छूटकर दिल्ली 23.58 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, जेनरेटर सह लगेजयान का 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

बैठक को सम्बोधित करते हुये मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/एफ .एम . अनिल कुमार

गोरखपुर,: प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक कार्यालय के प्रगति कक्ष में 08 सितम्बर,2025 को पूर्वोत्तर रेलवे एवं भारतीय खाद्य निगम के साथ समन्वय बैठक का आयोजन मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/एफ.एम. श्री अनिल कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुये मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक/एफ.एम. श्री अनिल कुमार ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे के अहिल्यापुर, टेकनिवास एवं छतरपुर में वर्ल्ड क्लास गुड्स शेड का निर्माण किया जा रहा है, जिसका उपयोग भारतीय खाद्य निगम द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने खाद्यान्न की लदान बढ़ाने के लिये भारतीय खाद्य निगम से आग्रह करते हुये कहा कि खाद्यान्न लदान में रेलवे द्वारा पूरा सहयोग किया जायेगा तथा आने वाली किसी भी रूकावटों का शीघ्र समाधान किया जायेगा। श्री अनिल कुमार ने भारतीय खाद्य निगम द्वारा मालगोदामों पर उन्नत सुविधायें एवं रोड वे-ब्रिज तथा भूमि लाइसेंसिंग के माध्यम से आवश्यकतानुसार भूमि उपलब्ध कराने की मांग पर सकारात्मक पहल करते हुये उन्हें शीघ्र पूरा किये जाने का आश्वासन दिया। बैठक में रेलवे की ओर से मुख्य मालभाड़ा परिवहन प्रबन्धक श्री श्रीकृष्ण शुक्ल तथा वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा भारतीय खाद्य निगम की ओर से महाप्रबन्धक/मूवमेंट, नार्थ श्री बी.के.फिलिप, महाप्रबन्धक/इंजीनियरिंग नार्थ श्री वी.भुवनेश्वरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपलस्थित थे।

वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 18 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05579/05580 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनस-पूर्णिया कोर्ट विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार पूर्णिया कोर्ट से 16 सितम्बर से 15 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार एवं रविवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनस से 18 सितम्बर से 17 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं रविवार को 52 फेरों के लिए निम्नवत किया गया है।

05579 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनस पूजा विशेष गाड़ी 16 सितम्बर से 15 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार एवं रविवार पूर्णिया कोर्ट से 16.30 बजे प्रस्थान कर बनमंखी से 17.04 बजे, मुरलीगंज से 17.32 बजे, दौरम मधेपुरा से 18.02 बजे, सहरसा से 20.00 बजे, गढ़ बरौरी से 20.22 बजे, सुपौल से 20.47 बजे, सरायगढ़ से 21.45 बजे, निर्मली से 22.02 बजे, घोघरडीहा से 22.15 बजे, झंझारपुर से 22.37 बजे, सकरी से 23.02 बजे, शिशो से 23.40 बजे, दूसरे दिन जनकपुर रोड से 00.47 बजे, सीतामढ़ी से 01.35 बजे, बैरगनिया से 02.12 बजे, रक्सौल से 03.20 बजे, नरकटियागंज से 04.30 बजे, बगहा से 05.02 बजे, कप्तानगंज से 08.22 बजे, गोरखपुर से 09.50 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोण्डा जं0 से 12.15 बजे, सीतापुर से 15.45 बजे, शाहजहाँपुर से 18.00 बजे, बरेली से 19.05 बजे, मुरादाबाद से 21.25 बजे तथा गाजियाबाद से 23.45 बजे छूटकर तीसरे दिन आनन्द विहार टर्मिनस 00.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05580 आनन्द विहार टर्मिनस-पूर्णिया कोर्ट पूजा विशेष गाडी 18 सितम्बर से 17 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं रविवार को आनन्द विहार टर्मिनस से 05.15 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 05.50 बजे, मुरादाबाद से 08.35 बजे, बरेली से 10.12 बजे, शाहजहाँपुर से 11.22 बजे, सीतापुर से 14.15 बजे, गोण्डा से 16.30 बजे, बस्ती से 17.50 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, कप्तानगंज से 20.47 बजे, बगहा से 23.20 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.20 बजे, रक्सौल से 01.15 बजे, बैरगनिया से 02.02 बजे, सीतामढ़ी से 02.45 बजे, जनकपुर रोड से 03.17 बजे, शिशो से 04.05 बजे, सकरी से 06.02 बजे, झंझारपुर से 06.27 बजे, घोघरडीहा से 06.47 बजे, निर्मली से 08.05 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे, गढ़ बरौरी से 09.47 बजे, सहरसा से 10.50 बजे, दौरम मधेपुरा से 11.17 बजे, मुरलीगंज से 12.02 बजे तथा बनमंखी से 12.30 बजे छूटकर पूर्णिया कोर्ट 13.45 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में जेनरेटर सह लगेज यान के 02 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 18 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

2025 को प्रत्येक शनिवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 04022/04021 नई दिल्ली-गोरखपुर-नई दिल्ली साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 19 सितम्बर, 03, 10, 17, 24, 31 अक्टूबर, 07, 14, 21, एवं 28 नवम्बर, 2025 को प्रत्येक शुक्रवार को तथा गोरखपुर से 20 सितम्बर, 04, 11, 18, 25 अक्टूबर से 01, 08, 15, 22 एवं 29 नवम्बर, 2025 को प्रत्येक शनिवार को 10 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04022 नई दिल्ली-गोरखपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 19 सितम्बर, 03, 10, 17, 24, 31 अक्टूबर, 07, 14, 21, एवं 28 नवम्बर, 2025 को प्रत्येक शुक्रवार को नई दिल्ली से 14.00 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 14.54 बजे, हापुड़ से 15.34 बजे, मुरादाबाद से 18.03 बजे, बरेली 19.22 बजे, शाहजहाँपुर से 20.32 बजे, सीतापुर से हरदोई से 21.19 बजे, लखनऊ जं से 23.10 बजे, दूसरे दिन गोंडा से 01.50 बजे तथा बस्ती से 03.02 बजे छूटकर गोरखपुर 05.00 बजे पहुँचेगी।

फर्नीचर की दुकान में लगी आग, गैस सिलिंडर फटने से दहशत

बस्ती। हरैया थाना क्षेत्र के भदावल खुर्द में फर्नीचर की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ देर बाद वहां रखा रसोई गैस सिलिंडर फट गया। इससे अफरातफरी मच गई। कारीगर व मजदूर किसी तरह जान बचाकर भागे। धमाके से आसपास के लोगों में भगदड़ मच गई।

हाईवे पर थोड़ी देर तक यातायात प्रभावित रहा। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। परशुरामपुर थाना क्षेत्र रिधौरा गांव निवासी अल्ताफ सिद्दीकी की भदावल चौराहे पर किराए के मकान में फर्नीचर की दुकान है। रविवार दोपहर दो बजे दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फर्नीचर धू-धू जलने लगा। दुकान के अंदर रखा गैस सिलिंडर के धमाके से पूरा इलाका आसपास के लोग घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। आग से लाखों रुपये का फर्नीचर राख हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के राकेश राय, फायरमैन चंद्रमौलि वर्मा, दीपक यादव, राहुल कुमार यादव, जमुना शिव श्याम यादव, वीरेंद्र कुमार ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से कुछ समय तक हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

मुख्यमंत्री कल रखेंगे सैनिक स्कूल की आधारशिला

बस्ती। बस्ती में सेना में अफसर बनने का सपना संजोए तैयारी कर रहे युवाओं की राह अब और आसान होगी। ऐसे युवाओं को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार यानी नौ सितंबर को बड़ा तोहफा देंगे। सदर ब्लॉक फोरलेन स्थित बसहवा गांव परिसर में प्रस्तावित सैनिक स्कूल का मुख्यमंत्री शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर जिले स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई है। विभिन्न विभाग के अफसर दिन-रात तैयारी में लग गए हैं। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग के नये प्रकल्प सैनिक स्कूल का भव्य आधारशिला कार्यक्रम नौ सितंबर को प्रस्तावित है, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने की सुगबुगाहट है। सदर ब्लॉक के बसहवा गांव के पास फोरलेन किराने बनने वाले इस सैनिक स्कूल का शिलान्यास होना है। सरस्वती विद्या मंदिर रामबाग के नव सैनिक स्कूल के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य विभाग, एनएचएआई समेत जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहा है। सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामबाग के प्रबंधक डॉ. सुरेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री के हाथों होने वाले शिलान्यास कार्यक्रम की रूपरेखा तय करते हुए कार्ड जारी किया है। अध्यक्ष गोपाल गाडिया, कोषाध्यक्ष प्रह्लाद मोदी, प्रधानाचार्य गोविंद सिंह ने कार्ड के जरिये लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अनुरोध कर रहे। कार्यक्रम को लेकर विभागों के कर्मी, अधिकारी सभी कार्यक्रम स्थल पर लगे हैं।

दिनभर जाम से जूझता रहा शहर...पीईटी खत्म होते बढ़ी भीड़

बस्ती। रविवार के दिन शहर के अधिकतर चौक-चौराहे और बाजार जाम से जूझते रहे। निमार्णाधीन एप्रोच के चलते कंपनीबाग चौराहे पर सुबह से लेकर देर शाम तक जाम की समस्या बनी रही। इससे चलते वाहन रेंगते दिखे। पीईटी परीक्षा के नाते पूरा शहर जाम की चपेट में रहा। सुबह और शाम को सड़कों पर भीषण जमा लग गया। सर्वाधिक परेशानी परीक्षा केंद्रों के आसपास हुई। परीक्षा छूटते ही सड़कों पर भीड़ उमड़ पड़ी। इससे वाहन रेंगते नजर आए। वहीं कंपनीबाग पर नाला निर्माण के चलते रास्ता अक्सर अवरोध हो जा रहा है। इससे कंपनीबाग से कचहरी की ओर जाने वाले राहगीर, सोनूपार, फव्वारा तिराहा और गांधीनगर की ओर जाने वाले लोग परेशान दिखे। चौराहे पर लंबा जाम लगा रहा। इससे

राहगीर परेशान दिखे। वहीं, यातायात व्यवस्था में लगे ट्रैफिक पुलिस कर्मी जाम हटवाने के लिए परेशान दिखे। राहगीरों ने बताया कि आए दिन जाम की समस्या बनी हुई है। पीईटी परीक्षा के नाते रोडवेज, गांधीनगर, स्टेशन रोड और फव्वारा तिराहे पर जाम की स्थिति बनी रही। पांडेय बाजार, पुरानी बस्ती मंगल बाजार परभी जाम की स्थिति रही।

चंद्रतीर्थ पर श्राद्ध से पितरों को मिलता है गया श्राद्ध का फल, काशी में तर्पण का खास महत्व

वाराणसी। काशी में तर्पण से 100 पीढ़ियां तर जाती हैं। ऐसे में वाराणसी के गंगा तटों पर भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितरों के तर्पण और श्राद्ध का सिलसिला शुरू हुआ। मोक्ष की नगरी काशी में पितृपक्ष पर पितरों के तर्पण और श्राद्ध के अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। पिशाचमोचन और गंगा के

तट के अलावा काशी में 15 से अधिक तीर्थ हैं, जहां श्राद्ध और तर्पण से सौ पीढ़ियां तर जाती हैं। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितरों के तर्पण और श्राद्ध का सिलसिला चंद्र तीर्थ से शुरू हुआ। रविवार को काशी के वैदिक विद्वानों ने चंद्रतीर्थ और चंद्रेश्वर लिंग पर पूजन अनुष्ठान किया। मान्यता है कि जो श्रद्धा और भक्ति से चंद्रतीर्थ में स्नान कर चंद्रेश्वर लिंग का पूजन करेगा, वह भक्त चंद्रलोक की प्राप्ति करेगा। वैदिक विद्वान आचार्य चंद्रशेखर द्रविड़ ने बताया कि जब कोई चंद्रेश्वर दर्शनार्थ आता है, तो उसके पूर्वज हर्ष से नृत्य करने लगते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि अब तर्पण अवश्य होगा। इस दौरान वैदिक आचार्य चंद्रशेखर द्राविड़, पंडित शिवम शर्मा, पंडित विकास गर्ग, पंडित दीपक भारद्वाज, पं. नरेंद्र पांडेय, इंद्रनील श्रीवास्तक अनुष्ठान में शामिल हुए। पं. चंद्रशेखर द्राविड़ ने बताया कि काशीखंड में महादेव कहते हैं कि चंद्रेश्वर लिंग का पूजन करने वाला सीधे चंद्रलोक को प्राप्त होता है। चंद्रदेव ने कठोर तपस्या कर पवित्र चंद्रतीर्थ और चंद्रेश्वर लिंग की स्थापना की।

मार्ग अधूरा, एक लाख लोग परेशान

अमेठी। तहसील क्षेत्र के शुकुलपुर अमिलहना गांव में मालती नदी पर करीब छह साल पहले दो करोड़ की

लागत से पुल तो बना, लेकिन उससे जुड़ने वाली सड़क अब तक नहीं बन सकी। नतीजा यह है कि 15 गांवों के करीब एक लाख लोग आज भी कच्चे रास्ते से गुजरने को मजबूर हैं। बरसात में कीचड़ भरे रास्ते पर आए दिन लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने एसडीएम से सड़क को पक्का बनाने की मांग की है। संग्रामपुर ब्लॉक मुख्यालय, थाना, सीएचसी और माता कालिकनधाम जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त सफर नहीं तय करना पड़े, इसके लिए मालती नदी पर शुकुलपुर ग्राम पंचायत के अमिलहना गांव में छह साल पहले करीब दो करोड़ की लागत से पुल का निर्माण हुआ था। पुल बनने से ठेंगहा, मड़ौली, बदलापुर, पूरे हरिवंश, बगिया, मिश्रौली सहित 15 गांव के लोगों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलती है।

संग्रामपुर की तरफ करीब एक किलोमीटर मार्ग नहीं बनाया गया। कच्चे मार्ग पर लोग आवागमन कर रहे हैं। इन दिनों टिकरिया में पुल निर्माण होने से इसी मार्ग से लोगों का आवागमन बढ़ गया है। बारिश में कच्चे मार्ग से लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। आए दिन कीचड़ में लोग गिरकर घायल हो रहे हैं। गांव के अजय पांडेय, डीएम मिश्र, अशोक शुक्ल, विनय सिंह, मोहन कुमार, सत्येंद्र कुमार आदि ग्रामीणों ने एसडीएम को पत्र देकर मांग की है कि पुल बनने से दर्जनों गांव सीधे ब्लॉक मुख्यालय से जुड़ गए हैं। पहुंच मार्ग नहीं बनने से परेशानी हो रही है। सड़क बनने से आवागमन में सहूलियत के साथ अतिरिक्त दूरी तय करने से निजात मिलेगी। ग्रामीणों ने पहुंच मार्ग को पक्का बनवाए जाने की मांग की है। एसडीएम आशीष सिंह ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मार्ग बनवाने के लिए कहा जाएगा।

वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 18 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा दीपावली एवं छठ त्यौहारों पर यात्रियों की माँग को ध्यान में रखते हुये 05575/05576 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार सहरसा से 17 सितम्बर से 10 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को तथा आनन्द विहार से 23 सितम्बर से 16 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को 13 फेरों के लिये निम्नवत किया गया है। 05575 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल पूजा विशेष गाड़ी 17 सितम्बर से 10 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को सहरसा से 20.00 बजे प्रस्थान कर गढ़ बरुआरी से 20.22 बजे, सुपौल से 20.47 बजे, सरायगढ़ से 21.45 बजे, निर्मली से 22.02 बजे, घोघरडीहा से 22.15 बजे, झंझारपुर से 22.37 बजे, सकरी से 23.02 बजे, शिशो से 23.40 बजे, दूसरे दिन जनकपुर रोड से 00.47 बजे, सीतामढ़ी से 01.35 बजे, बैरगनिया से 02.12 बजे, रक्सौल से 03.20 बजे, नरकटियागंज से 04.30 बजे, बगहा से 05.02 बजे, कप्तानगंज से 08.22 बजे, गोरखपुर से 09.50 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोंडा से 12.15 बजे, सीतापुर से 15.45 बजे, शाहजहाँपुर से 18.00 बजे, बरेली से 19.05 बजे, मुरादाबाद से 21.25 बजे तथा गाजियाबाद से 23.45 बजे छूटकर तीसरे दिन आनन्द विहार टर्मिनल 00.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05576 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा पूजा विशेष गाड़ी 23 सितम्बर से 16 दिसम्बर, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 05.15 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 05.50 बजे, मुरादाबाद से 08.35 बजे, बरेली से 10.12 बजे, शाहजहाँपुर से 11.22 बजे, सीतापुर से 14.15 बजे, गोंडा से 16.30 बजे, बस्ती से 17.50 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, कप्तानगंज से 20.47 बजे, बगहा से 23.20 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.20 बजे, रक्सौल से 01.15 बजे, बैरगनिया से 02.02 बजे, सीतामढ़ी से 02.45 बजे, जनकपुर रोड से 03.17 बजे, शिशो से 04.05 बजे, सकरी से 06.02 बजे, झंझारपुर से 06.27 बजे, घोघरडीहा से 06.47 बजे, निर्मली से 08.05 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे तथा गढ़ बरुआरी से 09.47 बजे छूटकर सहरसा से 10.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान के 02 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 18 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

शास्त्री ने सैमसन को ओपनर के तौर पर उतारने की वकालत की, गिल को इस स्थान पर भेजने का आग्रह किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैमसन 2024 से टी20 में ओपनिंग कर रहे हैं और उन्होंने 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 861 रन बनाए हैं। सैमसन ने इस दौरान 12 पारियों में तीन शतक लगाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 152.38 रहा है। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम प्रबंधन से एशिया कप में संजू सैमसन के ओपनर के तौर पर उतारने की अपील की है। शास्त्री ने यह भी कहा है कि उपकप्तान शुभमन गिल किसी अन्य बल्लेबाजी स्थान पर उतर सकते हैं। एशिया कप की शुरूआत टी20 प्रारूप में मंगलवार से हो रही है और भारत इसमें अपने अभियान की शुरूआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। ओपनर के तौर पर अच्छा है सैमसन का रिकॉर्ड सैमसन 2024 से टी20 में ओपनिंग कर रहे हैं और उन्होंने 41 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 861 रन बनाए हैं। सैमसन ने इस दौरान 12 पारियों में तीन शतक लगाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 152.38 रहा है।

डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव का 100वां अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र प्रकाशित

ग्वालियर। ग्वालियर निवासी डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में नया कीर्तिमान रचते हुए संपूर्ण मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। उनके अब तक 100 शोध पत्र विश्व की विभिन्न प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत अधीक्षण अभियंता राजेश कुमार श्रीवास्तव एवं श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव के सुपुत्र डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव का शोध पत्र मुख्य रूप से उच्च ऊर्जा भौतिकी और निम्न तापमान संघनित पदार्थ भौतिकी पर केन्द्रित है। इस उपलब्धि पर म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव को शुभकामनाएं दी हैं।

'देश विरोधी ताकतों के झूठे नैरेटिव का करें पर्दाफाश'

प्रज्ञा प्रवाह के स्टडी सर्किल का शुभारंभ

ग्वालियर

भारत की एकता के खिलाफ विरोधी ताकतों द्वारा गढ़े जा रहे झूठे नैरेटिव्स का बुद्धिजीवी पर्दाफाश कर सत्य को उजागर करें। देश की अखंडता को मजबूत करने के लिए एकजुट प्रयास जरूरी हैं।

यह बात राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरू प्रो.स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने रविवार को प्रज्ञा प्रवाह ग्वालियर विभाग द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की आसंदी से कही। इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में स्टडी सर्किल का शुभारंभ किया गया। साथ ही धर्मपाल की पुस्तक 'द ब्यूटीफुल ट्री-अठारहवीं शताब्दी में भारतीय शिक्षा व्यवस्था' पर परिचर्चा भी की गई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शासकीय महाविद्यालय नर्मदापुरम के प्राध्यापक डॉ.रवि उपाध्याय थे। अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. राजकुमार आचार्य ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्यभारत प्रांत के सह कार्यवाह विजय दीक्षित ने भी मार्गदर्शन दिया। प्रो.सहस्त्रबुद्धे ने अधिकाधिक अध्ययन समूहों के संचालन की आवश्यकता पर बल दिया ताकि प्राध्यापकों और शोधार्थियों में इन विषयों के प्रति गंभीरता और रुचि बढ़ सके। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा प्रवाह ग्वालियर विभाग संयोजक डॉ.रविकांत द्विवेदी एवं आभार प्रो.हेमंत शर्मा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के प्रांत संयोजक धीरेन्द्र चतुर्वेदी, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश कुशवाह, एमएलबी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हरीश अग्रवाल,केआरजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, वीआरजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. ज्योति उपाध्याय, माधव महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा, पीजीवी कॉलेज के प्राचार्य सुनील पाठक, डॉ. शांति देव सिसोदिया, डॉ.एसके सिंह, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ.कपिल राघव, डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रामकुमार धाकड़, डॉ अर्चना. अग्रवाल, डॉ. अनुपम श्रीवास्तव,डॉ. वासुदेव जादौन, डॉ. प्रमोद कुशवाहा, डॉ. मनीष खेमरिया, डॉ. विजय गंभीर, मदन भार्गव, डॉ. राहुल ओझा सहित कई प्राध्यापक एवं शोधछात्र उपस्थित रहे।

18वीं सदी में भारत की शिक्षा व्यवस्था थी सुदृढ़

मुख्य वक्ता डॉ.रवि उपाध्याय ने कहा कि 18वीं सदी में भारत की शिक्षा व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ थी और साक्षरता का प्रतिशत लगभग 80 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि धर्मपाल की पुस्तक 'द ब्यूटीफुल ट्री-अठारहवीं शताब्दी में भारतीय शिक्षा व्यवस्था' में अंग्रेजों के शिक्षा संबंधी सर्वेक्षणों को आधार बनाकर लगभग एक लाख प्रमाणों के आधार पर 417 पृष्ठों का संकलन प्रस्तुत किया गया है। मद्रास प्रेसीडेंसी में हुए सर्वेक्षणों के अनुसार उस समय लगभग 75 हजार विद्यार्थी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से थे तथा अध्यापन कार्य में भी इन वर्गों के शिक्षक सक्रिय थे।

भारतीय संस्कृति में जीवन मूल्यों का महत्व

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. राजकुमार आचार्य ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जहां अनुभव, तर्क, आध्यात्मिकता, विज्ञान और जीवन-मूल्य एक साथ चलते हैं, वहीं हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा है। उन्होंने भारतीय दृष्टि में जीवन-मूल्यों की प्रासंगिकता पर विशेष जोर दिया।

डॉ. जमाल ने दिखाया सेवा धर्म

ग्वालियर। जीबी पंत अस्पताल नई दिल्ली के वरिष्ठ कार्डियोलाजिस्ट डॉ जमाल यूसुफ ने सेवा को ही सच्चा धर्म है मानते हुए जीवन की आस छोड़ चुके मरीजों की जान बचाई है। ग्वालियर में हृदयरोग के निशुल्क परामर्श शिविर आयोजित करने वाले संजीव अग्रवाल कुक्कू का कहना है कि पिछले दिनों नई दिल्ली में वह एक दर्जन गंभीर मरीजों का उपचार कराने लेकर गए थे। इसी कड़ी में शनिवार-रविवार को ग्वालियर आगमन पर डॉ. यूसुफ जमाल ने व्यस्ततम कार्यक्रमों के बावजूद 10 मरीजों को अपने निवास पर देखकर परामर्श दिया। इनमें कुछ मरीज डबरा, दतिया, झांसी से थे और कुछ ग्वालियर के।

कमलाराजा अस्पताल की बदहाल सुविधाओं से बेहाल मरीज

लेबर रूम में गंदगी, टूटी टेबलों पर हो रहे प्रसव

ग्वालियर

अंचल के सबसे बड़ा महिला अस्पताल कहा जाने वाला कमलाराजा अस्पताल आज खुद बीमार है। अस्पताल की दुर्दशा इतनी भयावह है कि यहां इलाज कराने आई महिलाओं और उनके परिजनों की जान तक खतरे में है। लेबर रूम का शौचालय सीवर से उफन रहा है, फर्श धंस चुका है और टाइल्स टूट गई हैं। हालत यह है कि वहां कदम रखते ही किसी टाइल्स के धंस जाने का डर बना रहता है। मजबूरी में महिलाएं या तो इसी गंदगी से भरे शौचालय का इस्तेमाल करती हैं या फिर अस्पताल के अन्य हिस्सों में भटककर शौचालय खोजती हैं।

जानकारी के अनुसार कमलाराजा अस्पताल में अंचल भर से महिलाएं उपचार के लिए पहुंचती हैं और यहां के लेबर रूम में रोजाना कई प्रसव होते हैं। प्रसव जैसे संवेदनशील समय पर साफ-सफाई और स्वच्छ माहौल सबसे जरूरी होता है, लेकिन यहां हालात ठीक इसके उलट हैं। प्रसव टेबल जर्जर हो चुकी हैं, जगह-जगह जंग लग चुका है और कई टेबलों से बदबू आने लगी है। इसी हालत में प्रसव कराए जा रहे हैं, जिससे मां और नवजात दोनों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा बना हुआ है।

इतना ही नहीं अस्पताल में भर्ती महिलाएं गंदगी और जर्जर ढांचे के बीच दिन काटने को मजबूर हैं। परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही सीधे तौर पर मरीजों की सेहत से खिलवाड़ कर रही है। यह स्थिति तब है जब अस्पताल की जर्जर हालत पर वर्षों से शिकायतें उठ रही हैं, लेकिन प्रशासन की नींद नहीं खुल रही। शौचालय की गंदगी, टूटी टाइल्स, जंग लगी टेबलें और संक्रमण का खतरा - यह सब मिलकर साबित कर रहा है कि अस्पताल में सुविधाएं नहीं, केवल मरीजों की लापरवाही से जान जोखिम में डाली जा रही है।

700 करोड़ का प्रस्ताव, लेकिन अब तक ठंडे बस्ते में

● गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के.एस. धाकड़ ने अस्पताल के निर्माण, रिनोवेशन और जरूरी मरम्मत कार्यों के लिए शासन को 700 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा है। लेकिन यह प्रस्ताव अभी तक फाइलों में धूल खा रहा है। यदि इस पर मंजूरी मिलती है तो न सिर्फ कमलाराजा अस्पताल बल्कि अन्य विभागों में भर्ती मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी।

लघु नाटिका का हुआ मंचन

ग्वालियर

श्री गहोई वैश्य क्षेत्रीय महिला मण्डल द्वारा गत दिवस थाटीपुर में गणेश महोत्सव, संयुक्त परिवार परिचय एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त परिवार पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया गया। इसके साथ ही मण्डल की सभी सखियों ने विभिन्न खेल जैसे हाऊजी, वन मिनट गेम (समय की पांबदी प्रतियोगिता), सरप्राइज गेम एवं लकी सखी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में श्री गहोई वैश्य क्षेत्रीय महिला मण्डल के 2025-2028 कार्यकाल हेतु मनोनीत सदस्यों को शपथ दिलाई गई। साथ ही 20 शिक्षिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से गीता नगरिया, भारती खर्द, राखी गेंड़ा, रानी सेठ, लता नीखरा, रंजना सोनी एवं मीरा नीखरा सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रजनी सेठ व रश्मि व आभार अनामिका निगोती ने व्यक्त किया।

नमकीन कारोबारी से लूट का पर्दाफाश, पुराने नौकर ने रचा था षड्यंत्र

आर्थिक तंगी दूर करने कारोबारी को लूटा, तीन दबोचे

ग्वालियर

नमकीन कारोबारी के साथ हुई 3.81 लाख रुपए की लूट का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार बदमाशों में दो सगे भाई हैं। लूट का षड्यंत्र कारोबारी के पुराने नौकर ने रचा था। फिलहाल लूट का मास्टरमाइंड और उसके साथी पुलिस पकड़ से दूर हैं जिसकी तलाश में टीमें उनके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए बदमाशों ने कारोबारी से नकदी लूटी थी। पुलिस ने बदमाशों से साठ हजार रुपए भी बरामद किए हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुमन गुर्जर ने बताया कि 2 सितम्बर को भगतसिंह नगर निवासी नमकीन कारोबारी राममोहन सेठ से बदमाशों ने 3.81 लाख रुपए लूट लिए थे। घटना के बाद से पुलिस बदमाशों की तलाश में सरगर्मी से जुटी हुई थी। रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि लूटपाट करने वाले बदमाश राधा स्वामी सत्संग आश्रम भिंड रोड पर देखे गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने उनको घेराबंदी की दबोच लिया। पकड़े गए बदमाशों की पहचान रोहित उर्फ अक्की पुत्र राधाकृष्ण परिहार 20 वर्ष निवासी खुरैरी बड़ागांव, पवन परिहार और उसके भाई रोहित पुत्रगण शालीग्राम परिहार निवासी न्यू राम विहार कॉलानी, पिंटो पार्क के रूप में हुई। तीनों बदमाशों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि लूट का षड्यंत्र कारोबारी के पुराने नौकर तलविंदर कुशवाह निवासी पिंटो पार्क ने रचा था। जिसमें विक्की मंडेलिया, सलमान खान इरफान, और अंकित रजक भी शमिल थे। बताया गया है कि तलविंदर से दोनों भाइयों ने पैसों की मांग की थी। आर्थिक स्थिति का रोना रोने वाले भाइयों व अक्की को तलविंदर ने कहा कि राममोहन सेठ को मैं जानता हूं उसके पास गोदाम से घर लौटते समय मोटा माल रहता है। वह तैयार हो गए और फिर दोनों भाइयों ने अक्की के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम दे डाला। घटना के समय तलविंदर और अन्य बदमाश भी आगे पीछे मौजूद थे। पुलिस ने पकड़े गए तीनों बदमाशों के कब्जे से साठ हजार रुपए और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद कर अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ प्रारंभ कर दी है।

यह थी घटना

भगत सिंह नगर निवासी राममोहन सेठ का बालाजी वेफर्स के नाम से नमकीन का गोदाम है। 4 अगस्त को वह अपने कर्मचारी रमन रावत के साथ 3.81 लाख रुपए लेकर निकले थे जैसे ही वह पटरी पार रोड पर पहुंचे थे बदमाशों ने उनको कट मारकर गिरा दिया था और हाथ से नकदी लूटकर भाग गए थे।

ऐसे हुआ लूट का खुलासा

पुलिस ने सबसे पहले कारोबारी से उसके नौकरों के बारे में जानकारी ली तो उसने बताया कि डेढ़ वर्ष पहले तलविंदर कुशवाह नाम के नौकर को नौकरी से निकाला था। वह इन दिनों गोदाम के सामने ही जूता फैक्ट्री में काम कर रहा था। तलविंदर को राममोहन सेठ के लेनदेन और खातों तक की सम्पूर्ण जानकारी थी। जैसे ही तलविंदर का नाम सामने आया पुलिस ने उसको निशाने पर ले लिया। लेकिन वह घर से फरार मिला। संदेह यकीन में बदल गया और पुलिस सरगर्मी से सीसीटीवी खंगालने में जुट गई। पुलिस ने तलविंदर के घर से थोड़ी दूर रहने वाले दोनों भाइयों को उठा लिया। बता दें कि 4 अगस्त को भी शराब कारोबारी के मुनीम के साथ 31 लाख की लूट में पुराने नौकर का हाथ निकला था। पुराने नौकर ने ही लूट की कहानी रची थी।

पहाड़ी पर बैठकर की थी रैकी

राममोहन सेठ का गोदाम शताब्दीपुरम पानी की टंकी के पास है। वह हर रोज यहां से उगाही की रकम लेकर घर जाते थे। तलविंदर कुशवाह रैकी करने के लिए गोदाम के पास पहाड़ी पर बैठ गया। जैसे ही कारोबारी निकला उसने साथियों को फोन पर सूचना कर दी और दोनों बदमाशों ने घटना को अंजाम दे डाला। कुछ बदमाश रास्ते में मोटरसाइकिल से पीछे लगे हुए थे। जैसे ही नकदी लूटी सब मौके से फरार हो गए थे।

इनका कहना है

नमकीन कारोबारी को पुराने नौकर और उसके दोस्तों ने लूटा था। नौकर ने ही पैसे की जानकारी दी थी। तीन आरोपी पकड़ लिए हैं, जो बदमाश फरार हैं उनको भी जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

धर्मवीर सिंह
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक

स्वर संस्कार गणेश महोत्सव का समापन

ग्वालियर

स्वर संस्कार संगीत गुरुकुल द्वारा आयोजित स्वर संस्कार गणेश महोत्सव 2025 का समापन रविवार को सुरमयी संध्या के साथ हुआ। इस अवसर कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को अविस्मरणीय बना दिया। मुख्य प्रस्तुति राजा बनर्जी (सुप्रसिद्ध शिष्य पं. जगदीश प्रसाद) द्वारा दी गई। उनके साथ हारमोनियम पर संगत कु. वर्षा मित्रा तथा तबला संगत योगेश शर्मा ने दी। भक्तिरस और शास्त्रीय संगीत की सुरधारा में श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे। साथ ही इस महोत्सव के अंतर्गत आयोजित सुगम संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं की घोषणा की गई और पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनके उत्साहवर्धन के लिए प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। स्वर संस्कार गणेश महोत्सव का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संगीत की ओर प्रेरित करना है। यह आयोजन स्वर संस्कार संगीत गुरुकुल, ग्वालियर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

छात्रवृत्ति का किया वितरण

स्वर संस्कार संगीत गुरुकुल द्वारा आयोजित स्वर संस्कार गणेश महोत्सव के अवसर पर गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रतिभाशाली शिष्यों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। यह छात्रवृत्ति आंनद पूर्वी फाउंडेशन, मुंबई के सौजन्य से दी जाती है। इस वर्ष आशु यादव, श्रेष्ठ निरंजन, वर्षा मित्रा और प्रीति अग्रवाल को यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इन विद्यार्थियों ने प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत सीखने में गहरी रुचि और उत्कृष्ट कार्य किया है। गुरुकुल के संचालक संगीत गुरु संजय देवले ने आनंद पूर्वी फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी संस्थाएं शास्त्रीय संगीत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और विद्यार्थियों को प्रेरित करती हैं। संदेश दिया कि अन्य संस्थाऐं भी ऐसे प्रयासों में आगे आएं ताकि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिले और शास्त्रीय संगीत की धरोहर सुरक्षित रह सके।

फिजियोथेरेपी बनी मरीजों के लिए संजीवनी, कमजोर अंगों में लौट रही ताकत

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस आज

ग्वालियर

सिर और स्पाइन की चोट या ब्रेन स्ट्रोक से जूझ रहे मरीजों के लिए फिजियोथेरेपी उम्मीद की नई किरण बन रही है। जिन मरीजों के हाथ-पैर चोट या बीमारी के कारण बेजान और कमजोर हो जाते हैं, उनमें फिजियोथेरेपी से दोबारा ताकत लौट रही है। यही वजह है कि अब मरीज और उनके परिजन दवाओं व सर्जरी के साथ-साथ फिजियोथेरेपी को भी उतना ही भरोसेमंद इलाज मानने लगे हैं। जयारोग्य चिकित्सालय समूह का फिजियोथेरेपी विभाग शहर में मरीजों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. वैभव चौबे के अनुसार रोजाना 150 से अधिक मरीज यहां परामर्श और थेरेपी के लिए आते हैं। इनमें लगभग 50 मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें सिर या स्पाइन की चोट के कारण अंगों की कमजोरी या लाचारी का सामना करना पड़ता है। विभाग में इन मरीजों के लिए विशेष व्यायाम, पुनर्वास तकनीक और ऑक्युपेशनल थेरेपी की मदद से उनका इलाज किया जाता है। डॉ. चौबे बताते हैं कि सिर या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट लगने के बाद मरीज सामान्य तौर पर चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं। फिजियोथेरेपी से धीरे-धीरे उनके अंगों को सक्रिय किया जाता है और मरीजों को खड़े होकर चलने की क्षमता वापस दिलाने का प्रयास किया जाता है। फिजियोथेरेपी का लाभ केवल स्ट्रोक या स्पाइन तक सीमित नहीं है। घुटनों और कमर के दर्द, स्पांडलाइटिस, गठिया, जोड़ व मांसपेशियों की अकड़न जैसी समस्याओं के उपचार में भी यह कारगर है। साथ ही हृदय और फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने, ब्रेन स्ट्रोक व पार्किंसंस रोग से जूझ रहे मरीजों को राहत दिलाने और सर्जरी के बाद आई कमजोरी व थकान को दूर करने में भी इसका बड़ा योगदान है।

समय पर थेरेपी से टल सकते हैं ऑपरेशन

जिला अस्पताल मुरार में भी मरीजों को बेहतर फिजियोथेरेपी सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। यहां एडवांस फिजियोथेरेपी विभाग की स्थापना की जा रही है। अस्पताल के फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. विजेंद्र धाकड़ के अनुसार, रोजाना लगभग 60 मरीज यहां उपचार के लिए आते हैं। इनमें अधिकतर कमर, गर्दन और घुटनों के दर्द से परेशान होते हैं। डॉ. धाकड़ बताते हैं कि उनके पास कई ऐसे मरीज पहुंचे, जिन्हें न्यूरोलॉजी संबंधी समस्या के चलते ऑपरेशन की सलाह दी गई थी। लेकिन समय पर कराई गई फिजियोथेरेपी से वे पूरी तरह स्वस्थ हो गए और उन्हें ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं पड़ी। उनका कहना है कि यदि मरीज शुरुआती दौर में ही फिजियोथेरेपी शुरू कर दें, तो कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

शासन भी दे रहा बढ़ावा

शासन स्तर पर भी फिजियोथेरेपी को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं ताकि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के मार्गदर्शन में बेहतर उपचार मिल सके।

एआईएमए के सम्मेलन में जाएंगे बीस सदस्य

ग्वालियर। अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए) द्वारा नई दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होने ग्वालियर से भी बीस सदस्य व्यापारी शामिल होने जाएंगे। इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश-विदेश के दिग्गज उद्योगपति, नीति-निर्माता, अर्थशास्त्री और रक्षा विशेषज्ञ शामिल होंगे। ग्वालियर मैनेजमेंट एसोसिएशन एआईएमए से संबद्ध है इसलिए ग्वालियर से 20 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल भेजा जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जीएमए के कार्यकारी निदेशक डॉ. मनोज पटवर्द्धन करेंगे। वहीं, युवा प्रतिभागियों का नेतृत्व मोहित वर्मा करेंगे। सम्मेलन का मुख्य विषय है वैश्विक रुझान और भविष्य की रणनीतियां, बदलती दुनिया में लचीलापन और अनुकूलनशीलता। इसमें भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन, थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन, संसद सदस्य डॉ. शशि थरूर शामिल रहेंगे। जीएमए के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सम्पादकीय

बंगाल चुनाव से पहले सांप्रदायिकता की खुराक

ताशकंद फाइल्स और कश्मीर फाइल्स जैसी फिल्मों के कारण विवादों में रहने वाले फिल्म निमार्ता निर्देशक विवेक अग्निहोत्री अपनी नयी फिल्म बंगाल फाइल्स के कारण फिर चर्चा में हैं। श्री अग्निहोत्री की पहले की फिल्मों की तरह ही ये फिल्म भी वर्तमान की किसी घटना के साथ इतिहास के संदर्भ को जोड़ते हुए आगे बढ़ती है। हर बार की तरह इस बार भी बड़ी मासूमियत के साथ सांप्रदायिकता की नयी खुराक दर्शकों को पिलाने की कोशिश की गई है। हालांकि कुछ वक्त पहले ही इसी तरह की एक और फिल्म उदयपुर फाइल्स को दर्शकों ने नकार दिया था। जबकि उसके निमार्ता-निर्देशक ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उदयपुर में कन्हैयालाल नाम के दर्जी की नृशंस हत्या पर फिल्म बनाई गई थी, इसलिए उनके बेटों को सिनेमा हॉल में बिठाकर उनकी रोते हुई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए। लेकिन फिर भी फिल्म नहीं चली। कुछ ऐसा ही हाल बंगाल फाइल्स का भी रहा। पांच सितंबर को जब फिल्म प्रदर्शित हुई तो खास कलेक्शन नहीं आया, लेकिन इसके बाद सोशल मीडिया पर फिल्म के कई दृश्य प्रसारित किए गए और बताया गया कि फलाने दृश्य ने तहलका मचा दिया, ढिकाने दृश्य में गजब का अभिनय है। शायद इसी के कारण सप्ताहांत पर फिल्म की कमाई थोड़ी बढ़ी है। जिस तरह कश्मीर फाइल्स बनाकर विवेक अग्निहोत्री विदेशों में सैर सपाटा करते, रील बनाते दिखाई दिए थे, हो सकता है इस बार का मुनाफा भी उनके जीवन में मौज मस्ती के कुछ और आयाम जोड़ दे। आखिर में वे फिल्में समाजसेवा के लिए तो बना नहीं रहे हैं, उनका मकसद कमाई करना है जिसमें वे सफल हो रहे हैं। अब सोचना समाज को है कि इसमें उसे क्या नुकसान हो रहा है। प.बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा अब तक जिस काम में सफल नहीं हो पाई है, उसे वो इस बार पूरा करना चाहती है। पहले वाममोर्चे की सरकार थी और भाजपा की कमान अटल जी, आडवानी जी के हाथों में थी, तो प.बंगाल में भाजपा को कोई सफलता नहीं मिली। नरेन्द्र मोदी के आने के बाद भाजपा और संघ को यह खुशफहमी हुई कि जिस तरह मोदी लहर पूरे देश में कामयाब रही, प. बंगाल में भी इस पर सवार होकर भाजपा सत्ता तक पहुंच ही जाएगी। लेकिन ममता बनर्जी के कारण यह संभव नहीं हो पाया। पिछले चुनाव में श्री मोदी ने दीदी ओ दीदी कहकर बंगाल की सभ्यता, संस्कृति सबको चुनौती दी थी, शक्तिपूजक इस समाज को एक महिला मुख्यमंत्री और नेता के लिए यह अशोभनीय संबोधन रास नहीं आया। लिहाजा भाजपा हार गई। हालांकि उसकी ताकत में थोड़ा इजाफा हुआ, क्योंकि अघोषित तरीकों से ममता बनर्जी के करीबियों को भाजपा अपने खेमे में न केवल ले आई, बल्कि उन्हें ऊंचा ओहदा भी दे दिया। अब यही लोग ममता बनर्जी को चुनौती दे रहे हैं। इधर भाजपा ने दूसरे तरीके भी अख्तियार करने शुरू कर दिए हैं। एसआईआर को करवाने की तैयारी हो चुकी है, हालांकि ममता बनर्जी ने जिस तरह विधानसभा में वोट चोरी के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा है, उसके बाद बिहार की तरह बंगाल में खेल करना थोड़ा कठिन हो सकता है। इसलिए अब भाजपा अपने चिर परिचित पैंतरे सांप्रदायिक नफरत पर उतर आई है। बीते कई दिनों से बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा भाजपा ने उठा कर रखा है। हालांकि इसमें पहला सवाल गृहमंत्री अमित शाह से ही होता है कि सीमाओं की सुरक्षा आपकी जिम्मेदारी है, फिर किसी भी राज्य में आप घुसपैठियों के लिए विपक्षी दलों पर उंगली किस तरह उठा सकते हैं। लेकिन ऐसे सवालों से बेपरवाह भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर कार्रवाई करती जा रही है, जिसमें सबसे ज्यादा असर गरीब तबके के, कामगार अल्पसंख्यकों पर पड़ रहा है। कई जगह तो ऐसे प्रसंग भी आए जिसमें बांग्ला बोलने वालों पर ही शक किया जा रहा है। अब पुलिस प्रशासन की ऐसी क्षुद्र बुद्धि पर तरस खाएं या नाराज हों, जो दूसरे धर्म या भाषाओं को लेकर इतने शक्की हो चुके हैं कि यह भी भूल गए कि बांग्ला इस देश की संविधानसम्मत भाषाओं में से एक है। घुसपैठियों के अलावा दुगार्पूजा को लेकर भी भाजपा का सांप्रदायिक नजरिया सामने आने लगा है। प.बंगाल में दुगार्पूजा धार्मिक से ज्यादा सांस्कृतिक महत्व रखती आई है, क्योंकि सारे धर्मों के लोग इसके आयोजन में एक जैसे उत्साह से हिस्सा लेते हैं। लेकिन अब इसमें भी धर्म का भेदभाव दिखने लगा है। हाल ही में प.बंगाल की उर्दू अकादमी ने कुछ कट्टरपंथियों के दबाव में लोकप्रिय गीतकार जावेद अख्तर का कार्यक्रम रद्द कर दिया। जावेद अख्तर हिंदू और मुस्लिम दोनों तरह के कट्टरपंथियों के लिए एक जैसे विचार रखते हैं, दोनों उनकी नजर में गलत हैं। कुछ मुस्लिम संगठनों ने कहा कि जावेद अख्तर की कुछ टिप्पणियों से समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसके बाद मुशायरे को स्थगित कर दिया गया। राज्य की तरफ से संचालित अकादमी ने स्थगन के लिए कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया। लेकिन इस घटना से समझा जा सकता है कि राज्य में धार्मिक विभेद कितना गहरा और असरकारी होता जा रहा है।

कांग्रेस के कुए में है भंग- ऐसा बोले उमंग

जनजातीय समाज को नगरीय समाज से तोड़ने का प्रयास एक कथित नगरीय वर्ग (अर्बन नक्सलाइट्स) का षड्यंत्र ही है। सिंगार का यह कथन उस कथित अर्बन नक्सलाइट्स के षड्यंत्र का भाग ही है जो रावण दहन, महिषासुर, माँ दुर्गा के असुर वध, के नाम पर किया जा रहा है। कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या यही है ! कांग्रेस पर सदैव ही कोई न कोई वेताल सवार रहता है !! कभी

कम्युनिस्ट, कभी टेररिस्ट, कभी नक्सलाइट, कभी अर्बन नक्सलाइट !!! कांग्रेस पर सवार ये वेताल कभी-कभी दिखते भी हैं किंतु अधिकांशतः ये अदृश्य ही रहते हैं। ये वेताल बहुधा ही कांग्रेस के प्रवक्ताओं की भाषा में झलकते भी रहते हैं। अब मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का उदाहरण ही ले लो। उमंग बोले- हम आदिवासी हैं, हम हिंदू नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं ये बात कई सालों से कहता आ रहा हूं। सिंगार ने यह घोर असत्य कहा किंतु उन्होंने एक अपने व्यक्तव्य में एक सत्य भी कहा - शबरी भी आदिवासी थीं जिन्होंने श्रीराम को बेर खिलाए थे। अब जब, सकल हिंदू समाज के आराध्य श्रीराम आदिवासी शबरी के झूठे प्रेम उनके संग धरा पर बैठकर सम्मान और प्रेमपूर्वक खा रहे हैं तो भला किसी भी हिंदू के लिए ये जनजातीय बंधु बेगाने, पराये या विधर्मी कैसे हो सकते हैं?! शबरी और शबरी के सभी वंशज सकल हिंदू समाज हेतु वर्णीय, स्वीकरणीय, आदरणीय ही हैं। जनजातीय समाज जिस प्रकार से प्रकृति की, सूर्य की, गाय की, फसल की पूजा करता है वह शैली सकल हिंदू समाज की पूजा पद्धति में नाना प्रकार से परिलक्षित होती है। जनजातीय समाज को नगरीय समाज से तोड़ने का प्रयास एक कथित नगरीय वर्ग (अर्बन नक्सलाइट्स) का षड्यंत्र ही है। सिंगार का यह कथन उस कथित अर्बन नक्सलाइट्स के षड्यंत्र का भाग ही है जो रावण दहन, महिषासुर, माँ दुर्गा के असुर वध, के नाम पर किया जा रहा है। कांग्रेस के मप्र नेता प्रतिपक्ष का यह षड़यंत्र वैसा ही है, जैसा जनगणना मे जनजातीय बंधु स्वयं को हिंदू न लिखाएँ, ऐसा कहकर किया जा रहा है। वस्तुतः ये सभी षड्यंत्र नगरों मे रहने वाला एक अर्बन नक्सलाईट, विघ्नसंतोषी, देशतोड़क, समाजविभाजक प्रकार का वर्ग कर रहा है। हमारे लगभग सभी कस्बों, ग्रामों, नगरों के प्रारम्भ मे मिलने वाले खेड़ापति मंदिर जनजातीय देव परंपरा का ही एक अंग है। जनजातीय देव जैसे बड़ादेव, बुढ़ादेव, घुटालदेव, भैरमदेव, डोकरादेव, चिकटदेव, लोधादेव, पाटदेव, सियानदेव, ठाकुरदेव आदि देवता आज वनवासी समाज के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों मे अन्य सभी जाति, समुदाय, वर्गों में भी पूजनीय देव माने जाते हैं। जनजातीय समाज और शेष हिंदू समाज की देवी पूजा तो और भी अधिक परस्पर समान है। घाटमुंडीन देवी, दंतेश्वरी देवी, मावलीदेवी, गोदनामाता, आमादेवी, तैलंगदेवी, कंकाली माता, लोहराजमाता, सातवाहीन माता, लोहड़ीगुड़िन माता, दुलारीमाता, शीतलादई माता, घाटमुंडिन माता, परदेशी माता, हिंगलाजिन माता, बुढ़िमाता, करमकोटिन माता, महिषासुन मर्दिनी, कोट गढ़िन, लालबाई, फूलबाई, सतीमाता, काजली माता, महामाया देवी, परीमाता, अंबामाई, महालया देवी, जलदेवी, समलाया माता, बीजासनी माई, वामका माता, रोझड़ी माता, पीपला माता, बड़माता, आदि देवियां वनवासी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामों, कस्बों, उपनगरीय व नगरीय क्षेत्रों मे भी सभी हिंदू समाजों द्वारा प्रमुखता से पूजी जाती है। जनजातीय देव परंपरा का एक भाग ये भी है की ये हनुमानजी, गणेश जी, भेरुबाबा, गोगादेव, सिंगाजी, रामदेवजी आदि के भी पूजक होते गए व इन्हे पूजने के साथ साथ इन्हे अपने प्राकृतिक प्रतीकों मे मिलाते, घोलते चले गए। जनजातीय समाज की विभिन्न जातियों व अंतर्वर्गों ने इन देवताओं को परस्पर बाँट लिया व इन्हें विभिन्न प्रकार के अलग अलग वनीय वृक्षों पर स्थापित करते गए। जिस वनवासी वर्ग के देवता जिस प्रकार के वृक्ष पर निवास करते हैं उस जनजातीय वर्ग के लोग उस वृक्ष को न काटते हैं न काटने देते हैं। सदा से प्रकृतिपूजक जनजातीय समाज सूर्य, चंद्रमा, पेड़ पौधों, नदी, पहाड़, गाय, बैल, नंदी, सांड, नाग, सांप, बाज, मयूर, उल्लू, नीलकंठ आदि को भी पूजनीय मानता है और इनकी रक्षा करता है। अवसर चाहे कोई भी हो, बच्चे का जन्म हो, मृत्यु हो, विवाह हो, फसल बोनी हो, कटनी हो, नए यंत्र की पूजा हो जनजातीय समाज बड़ादेव अर्थात शिवशंकर की पूजा अवश्य ही करता है। नगरीय समाज के उमापति महादेव जनजातीय समाज के बड़ादेव के ही परिष्कृत व संशोधित रूप हैं। अरण्यक समाज की चाकना परंपरा भी शेष हिंदू ग्रामीण परंपराओं से मेल खाती है। भारत के नागर समाज व अरण्यक समाज दोनों के ही प्राचीन इतिहास को देखें तो पता चलता है कि शिवलिंग का पूजन दोनों धाराओं मे समान रूप से होता रहा है। भगवान श्रीराम के वनवास मे चौदह मे से दस वर्ष दंडकारण्य मे ही व्यतीत हुये हैं। जनजातीय समाज के मध्य श्रीराम का रम जाना, जनजातीय समाज अर्थात शैव समाज द्वारा श्रीराम के पक्ष मे युद्ध हेतु सहजता से उद्धृत होना आदि आदि घटनाक्रम श्रीराम के शिवभक्त होने से ही फलित हुये हैं। निषाद, वानर, मतंग, किरात, जटायु व रीछ आदि उस समय के प्रमुख जनजातीय समाज थे जो राम की शिवभक्ति व लोकभक्ति से प्रभावित होकर राम के पक्ष मे आ खड़े हुये थे। कथित नगरीय समाज में इन दिनों व्याप रहे अर्बन नक्सलाईट और विघ्नसंतोषी लोग है जो बड़ादेव व शिव मे भेद करके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के मार्ग मे बाधा बनना चाहता है। अधिक उचित होगा कि उमंग सिंगार अपने कथन का खंडन करें व जनजातीय समाज को हिंदू समाज से काटने का प्रयास न करें।

बर्बाद विरासत

ए.जी. नूरानी

यह देखना मजेदार नहीं है, लेकिन बेहद निंदनीय है कि संघ परिवार बी.आर. अंबेडकर और उनकी समृद्ध बौद्धिक और राजनीतिक विरासत पर दावा कर रहा है। पच्चीस साल पहले इसने गांधी के साथ भी यही चाल चली थी, जिनका उसके गुरु एम.एस. गोलवलकर और लालकृष्ण आडवाणी ने तिरस्कार किया था। अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह, भैयाजी जोशी, घोषणा करते हैं कि आंबेडकर एक ष्महामानवष् थे, जिनका ष्समग्र रूप से अध्ययन और समझने की आवश्यकता हैष् (अथरू उन तत्वों को समग्रता से त्याग दें जिन्हें आरएसएस स्वीकार नहीं कर सकता)। यह तो सबसे बड़ी बात हैरू ष्हमें सामूहिक रूप से एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करना चाहिए जिसके लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया।ष् उन्होंने आरएसएस के संस्थापक के.बी. हेडगेवार की तुलना आंबेडकर से करते हुए यहाँ तक कहा कि ष्दोनों के उद्देश्य समान थेष् (ऑर्गनाइजरय 26 अप्रैल, 2015)। संघ परिवार ने आंबेडकर पर उनके हिंदू कोड बिल के लिए हमला किया और जब उनकी रचना, रिडल्स इन हिंदूइज्म, प्रकाशित हुई, तो वे उग्र हो गए। (डॉ. बाबासाहेब आंबेडकररू लेखन और भाषण, शिक्षा विभाग, महाराष्ट्र सरकार, खंड 4. यह पूरी श्रृंखला उनके प्रकाशित और अप्रकाशित लेखों से कुशलतापूर्वक संकलित हैय यहाँ खंडवार उद्धृत हैं।) आंबेडकर, अपनी ओर से, उस और अन्य कार्यों में अपनी आलोचनाओं में निर्भीक थे। ष्हिंदू समाज एक मिथक है। हिंदू नाम स्वयं एक विदेशी नाम है। यह मुसलमानों द्वारा मूल निवासियों को खुद को अलग करने के उद्देश्य से दिया गया था। यह मुसलमानों के आक्रमण से पहले किसी भी संस्कृत ग्रंथ में नहीं आता है... हिंदू समाज का अस्तित्व ही नहीं है। यह केवल जातियों का एक समूह है... जातियाँ एक संघ भी नहीं बनाती हैं। एक जाति को यह एहसास नहीं होता कि वह अन्य जातियों से संबद्ध है, सिवाय इसके कि जब हिंदू-मुस्लिम दंगा होता है (जाति का विनाश, अध्याय टप, खंड 1)। खंड 12 में कोलंबिया विश्वविद्यालय (1913-15) में एम.ए. परीक्षा के लिए यह शोध प्रबंध शामिल है। संघ परिवार भारत के इतिहास की उनकी समझ से शायद ही प्रसन्न होगा, जैसा कि ये अंश सुझाते हैंरू ष्यह मान लेना भूल होगी कि भारत के मुसलमान शासक बर्बर और निरंकुश थे। दूसरी ओर, उनमें से अधिकांश असाधारण चरित्र के व्यक्ति थे। मोहम्मद गजनी ने श्प्रतिष्ठित व्यक्तियों के प्रति इतनी उदारता दिखाई कि उनकी राजधानी में साहित्यिक प्रतिभा का ऐसा विशाल भंडार था जितना एशिया का कोई भी अन्य सम्राट कभी नहीं दिखा सका। धन-संपत्ति अर्जित करने में लालची होने के साथ-साथ, वह उस विवेक और भव्यता में भी बेजोड़ थे जिसके साथ वह उसे खर्च करना जानते थे...।भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर ने देश को समृद्ध अवस्था में पाया और विशाल जनसंख्या तथा हर जगह असंख्य कारीगरों को देखकर आश्चर्यचकित हुए। वह एक उदार शासक थे और सार्वजनिक कार्य उनकी राजकौशलता की पहचान थे। शेरशाह, जिन्होंने मुगलों से अस्थायी रूप से राजगद्दी छीन ली थी, अकबर को छोड़कर, सबसे महान मुसलमान शासक थे और बाबर की तरह, उन्होंने भी कई सार्वजनिक कार्य किए...। ष्अंग्रेजों के आगमन के साथ, चीजें बदलने लगीं। समृद्धि भारत के लिए अनुकूल रही और यूनियन जैक पर विराजमान हो गई। बुरी ताकतें संसद और ईस्ट इंडिया कंपनी, दोनों की ओर से खड़ी थीं। कंपनी का शासन बुद्धिमत्तापूर्ण तो बिल्कुल नहीं था, यह कठोर था, इसने सुरक्षा तो दी, लेकिन संपत्ति को नष्ट किया... भारत ने कई तरह से इंग्लैंड की समृद्धि में योगदान दिया या यूँ कहें कि योगदान करने के लिए मजबूर किया गया।ष् अगर अंबेडकर जीवित होते, तो बाबरी मस्जिद के विध्वंस के लिए संघ परिवार की निंदा करते। लेकिन कांग्रेस भी उन्हें अपना नहीं कह सकती। उस श्रृंखला के खंड 9 में उनकी उत्कृष्ट रूप से प्रलेखित रचनाएँ, ष्कांग्रेस और गांधी ने अछूतों के साथ क्या किया और श्री गांधी और अछूतों की मुक्ति प्रकाशित हुईं। यह कहना घिसी-पिटी बात है कि अंबेडकर की प्रशंसा ने एक संविधानविद् के रूप में उनके योगदान को धुंधला कर दिया है। हालाँकि, यह मान्यता भी उस बौद्धिक शिखर के साथ पूरा न्याय नहीं करती। वे तेज बहादुर सप्रू जैसे संवैधानिक वकीलों से कहीं बेहतर थे। क्योंकि, वे इतिहास में पूरी तरह डूबे हुए थेकृभारतीय, अंग्रेजी, यूरोपीय और अमेरिकीकृहिंदू धर्म में, वेदों और उपनिषदों में, और अर्थशास्त्र में। संवैधानिक कानून में उनकी विद्वता इन्हीं बौद्धिक विषयों में निहित थी और इसने उन्हें किसी भी साधारण संवैधानिक वकील से, चाहे वह कितना भी प्रसिद्ध क्यों न हो, ऊपर उठा दिया। इस मामले में, वे बेजोड़ थे। तर्क और द्वंद्वात्मकता में कुशल, उनकी तीक्ष्ण बुद्धि में ज्ञान समाहित था। दूसरी ओर, भारत के लिए उनके उल्लेखनीय प्रयासों को नजरअंदाज कर दिया जाता हैय उदाहरण के लिए, लंदन में गोलमेज सम्मेलन में विंस्टन चर्चिल से उनकी गहन जिरह। वास्तव में, त्ब् में उनकी भूमिका को कम करके आंका जाता है, और ध्यान लगभग पूरी तरह से गांधीजी के साथ उनके मतभेदों और अछूतों, जैसा कि उस समय जाना जाता था, के हितों की उनकी वकालत पर केंद्रित होता है। यह आरटीसी की कार्यवाहियों की उपेक्षा का ही एक उदाहरण है।

तरक्की के शहर, अकेलेपन के घर

डॉ सत्यवान सौरभ

महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। शहरीकरण ने भारत के सामाजिक जीवन और मानवीय संबंधों को गहराई से प्रभावित किया है। यह केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं बल्कि एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन भी है जिसने हमारे पारंपरिक रिश्तों, विश्वास और आपसी सहयोग की प्रकृति को बदल दिया है। शहरी जीवन की रफ्तार, अवसरों की विविधता और सेवाओं तक आसान पहुँच ने निश्चित ही नागरिकों को नए विकल्प दिए हैं, परंतु इसके साथ ही यह प्रक्रिया मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक रिश्तों को भी चुनौती देती रही है। शहरों के विस्तार ने लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे अवसरों के करीब लाया। पहले जहाँ ग्रामीण भारत में इन सुविधाओं तक पहुँच कठिन थी, वहीं शहरी क्षेत्रों ने इन्हें आसान बनाया। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में विश्वस्तरीय अस्पताल, विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र मौजूद हैं। यह स्थान केवल सेवाएँ ही उपलब्ध नहीं कराते, बल्कि ज्ञान और विचारों के आदान-प्रदान के मंच भी बनते हैं। इसी वजह से शहरी जीवन को आधुनिक भारत का इंजन कहा जाता है। यहाँ के निवासी विभिन्न भाषाई, धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं, जिससे विविधता का अनुभव होता है और सहिष्णुता की भावना विकसित होती है। साथ ही, शहरी जीवन में सांस्कृतिक समृद्धि और नागरिक चेतना भी प्रबल होती है। कला दीघाएँ, पुस्तकालय, रंगमंच, साहित्यिक सभाएँ और जनआंदोलन जैसी गतिविधियाँ शहरों की पहचान रही हैं। चाहे वह कोलकाता की अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स हो या दिल्ली का इंडिया हैबिटेट सेंटरकृये स्थान सामूहिक संवाद और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरु जैसे शहरों में आईटी उद्योग और स्टार्टअप संस्कृति ने पेशेवर सहयोग और नेटवर्किंग की नई संभावनाएँ खोली हैं। नागरिक स्वयं भी संगठित होकर अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए आवाज उठाते हैं। गुरुग्राम की आवासीय कल्याण समितियों द्वारा कचरा प्रबंधन और जलभराव के खिलाफ अभियान इसका उदाहरण हैं। लेकिन इन सब सकारात्मक पहलुओं के बीच शहरीकरण का एक दूसरा चेहरा भी है, जो कहीं अधिक गहन सामाजिक संकट की ओर इशारा करता है। सबसे बड़ी चुनौती है सामुदायिक बंधनों का क्षरण। गाँवों में जहाँ पड़ोसियों और रिश्तेदारों के बीच गहरे संबंध होते हैं, वहीं शहरों में रहने वाले लोग अक्सर अनजानेपन और दूरी का अनुभव करते हैं। गेटेड सोसाइटी और उच्च-आय वर्गीय कॉलोनियों ने सामाजिक जीवन को खंडित कर दिया है। लोग अपने छोटे-से घेरे में सिमट जाते हैं और अन्य के प्रति अविश्वास पनपने लगता है। यह प्रवृत्ति समाज में सामूहिक विश्वास और सहयोग की भावना को कमजोर करती है। शहरी जीवन का दूसरा बड़ा संकट है अकेलापन। भीड़भाड़ और व्यस्तता के बावजूद लोग व्यक्तिगत रूप से अलग-थलग पड़ जाते हैं। महानगरों में लाखों लोग रहते हैं, परंतु अधिकांश अपने पड़ोसियों को भी नहीं पहचानते। एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत शहरी भारतीयों ने स्वीकार किया कि वे खुद को अकेला महसूस करते हैं। यह आँकड़ा दिखाता है कि आधुनिक शहरी जीवन ने भले ही हमें भौतिक सुविधाएँ दी हों, परंतु भावनात्मक और सामाजिक रूप से हमें कमजोर किया है। तकनीक ने भी इस अकेलेपन को बढ़ाया है। स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर निर्भरता ने वास्तविक मानवीय बातचीत को सीमित कर दिया है। मेट्रो या बस में सफर करते हुए अक्सर लोग एक-दूसरे से संवाद नहीं करते, बल्कि मोबाइल स्क्रीन में डूबे रहते हैं। यह प्रवृत्ति समाजशास्त्री जॉर्ज सिमेल की उस धारणा को सही साबित करती है जिसमें उन्होंने आधुनिक शहरों को भीड़ में अकेलेपन का प्रतीक कहा था। साथ ही, शहरी जीवन की भीड़-भाड़ और संसाधनों की कमी ने तनाव और संघर्ष को भी जन्म दिया है। पानी, बिजली, यातायात और पार्किंग जैसे मुद्दों पर झगड़े आम हो गए हैं। दिल्ली जैसे शहरों में पार्किंग विवाद कई बार हिंसा तक पहुँच जाते हैं। वाहन प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएँ भी नागरिक जीवन की असुरक्षा को बढ़ाती हैं। पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित स्थान कम होते जा रहे हैं, जिससे साझा सार्वजनिक जीवन घटता जा रहा है। यह कमी सामाजिक पूँजी पर सीधा आघात करती है, क्योंकि खुले और सुरक्षित सार्वजनिक स्थल ही लोगों के बीच संवाद और सहयोग को जन्म देते हैं। इस प्रकार, शहरीकरण ने भारत के सामाजिक पूँजी पर दोतरफा असर डाला है।

सुनवाई से अलग होना

हाल के दिनों में देश की ध्विभिन्न अदालतों में न्यायिक सुनवाई से अलग होने की घटनाओं में लगातार वृद्धि असहज करने वाली ही है। हालांकि, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये सुनवाई से अलग होना एक स्थापित सुरक्षा उपाय है, लेकिन जिस तरह इसका इस्तेमाल और संप्रेषण किया जाता है, उसने कई चिंताजनक प्रश्न तो खड़े किए ही जा सकते हैं। देश के राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण यानी एनसीएलएटी के एक प्रकरण, जहां एक सदस्य ने खुलासा किया कि वह एक मामले से खुद को अलग कर रहा है क्योंकि एक उच्च न्यायिक व्यक्ति ने उसे एक पक्ष का पक्ष लेने के लिये संपर्क किया था, ने इस प्रक्रिया में विश्वास को ठेस पहुंचायी है। हाल ही में, शीर्ष अदालत के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश ने बिना कोई कारण बताए दलित-अधिकार वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इससे पहले भी, कर्नाटक उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी कामेश्वर राव ने संस्था से संबंधों का हवाला देते हुए एनएलएसआईयू ट्रांसजेंडर आरक्षण अपील से खुद को अलग कर लिया था। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीशों- संजीव खन्ना ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में और बी.आर.गवई ने एक आंतरिक न्यायिक जांच मामले में खुद को अलग कर लिया था। निस्संदेह, इस तरह की असंगतता

पारदर्शिता के बारे में मिले-जुले संकेत देती है। जो जनमानस में इस बाबत नये विमर्श को जन्म देता है। इसमें दो राय नहीं कि इस संबंध में कानून में स्पष्टता की दरकार है। सुनवाई से अलग होने के लिये कोई संहिताबद्ध ढांचा नहीं है।यहां उल्लेखनीय है कि मई 2025 में, सर्वोच्च न्यायालय ने एक समान नियम बनाने की याचिका को यह कह कर खारिज कर दिया था कि सुनवाई से अलग होना व्यक्तिगत विवेक का मामला है। ऐसे मामलों में न्यायिक स्वतंत्रता ऐसी स्वायत्तता की मांग करती है, वहीं अस्पष्टता जनता के विश्वास को कमजोर करती है। निस्संदेह, जनसाधारण की न्यायिक व्यवस्था में आस्था मजबूत करने के लिये न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए भी दिखना चाहिए। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, सुनवाई से अलग होने के मामले केवल न्यायिक मूल्यों के पुनर्कथन और न्यायिक आचरण के बैंगलौर सिद्धांतों जैसी नरम-कानून संहिताओं द्वारा निर्देशित होते हैं। वास्तव में वे कारणों का खुलासा करने का कोई बाध्यकारी दायित्व तय नहीं करते। इसका परिमाण ही असमान व्यवहार है। इस बाबत कुछ न्यायाधीश तो स्पष्टीकरण देते हैं, जबकि कई अन्य ऐसे मामलों में खामोशी धारण कर लेते हैं। निस्संदेह, ऐसी परंपराओं से जन साधारण में अटकलों और न्यायिक प्रक्रिया में देरी को बढ़ावा ही मिलता है। इस दिशा में एक मध्य मार्ग भी संभव है। न्यायालय न्यूनतम प्रकटीकरण मानक अपना सकते हैं। आदेश पत्र पर एक पंक्ति की कारण श्रेणी और एक केंद्रीय सुनवाई रजिस्टर की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार से कुछ हल्के-फुल्के सुधार न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा ही करेंगे।

भारत, इस्राइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि पर किए हस्ताक्षर, जानें इसके बारे में

नई दिल्ली (एजेंसी)।वित्त मंत्रालय ने पर एक पोस्ट में कहा कि भारत सरकार और इस्राइल सरकार ने आज नई दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते बीआईटी पर हस्ताक्षर किए। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। भारत और इस्राइल ने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।वित्त मंत्रालय ने सोमवार यह जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने पर एक पोस्ट में कहा, ₹भारत सरकार और इजराइल सरकार ने आज नई दिल्ली में द्विपक्षीय निवेश समझौते # बीआईटी पर हस्ताक्षर किए।इस समझौते पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और उनके इजरायली समकक्ष बेजालेल स्मोट्रिच ने हस्ताक्षर किए। अप्रैल 2000 से जून 2025 के दौरान, भारत को इजराइल से 337.77 मिलियन अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (ऋक्र) प्राप्त हुआ है।इस समझौते पर हस्ताक्षर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं।

बेबी शावर पार्टी में प्रेग्नेंट जॉर्जिया हैरिसन का स्टनिंग लुक

क्रॉप टॉप में माम टू बी ने फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

लव आइलैंड स्टार जॉर्जिया हैरिसन ने अप्रैल में अपनी प्रेग्नेंसी

अनाउंस की थी।उन्होंने बताया था कि वह अपने बॉयफ्रेंड जैक स्टेसी के साथ अपना पहला बच्चा एक्सपेक्ट कर रही हैं। वहीं अब सिंतबर महीने में प्रेग्नेंट जॉर्जिया हैरिसन का बेबी शॉवर का आयोजन किया गया।30 वर्षीय पूर्व लव आइलैंडर ने एसेक्स के रेस्तरां मीनोआ में पार्टी की और अपनी मां लुईस और बॉयफ्रेंड जैक स्टेसी के साथ इस जश्न का आनंद लिया।लुक की बात करें तो उन्होंने शॉर्ट-स्लीव क्रॉप टॉप और फ्लोर-लेंथ स्कर्ट पहना जिसे उन्होंने पॉइंटेड व्हाइट हील्स के साथ पेयर किया। उन्होंने अपने लुक को हार्ट-शेप सनग्लासेस, गोल्ड बैंगल्स और एक छोटे बॉक्स बैग से एक्सेसराइज किया। यह खुशहाल कपल अपनी नई खुशी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है।तस्वीरों में कपल को प्यार से बेबी बंप थामें और एक-दूसरे को बाहों में भरते हुए देखा जा सकता है।

विदेशी धरती पर चांदनी रात से भी ज्यादा हसीन अवतार में दिखी करीना, ग्लिटरिंग साड़ी में लिपटी छोटे नवाब की बेगम

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने अभी हाल ही में इंग्लैंड में एक ज्वेलरी स्टोर लॉन्च इवेंट में पहुंची थी। इस इवेंट में करीना का देसी अंदाज देखने को मिला। करीना चमचमाती सिल्वर साड़ी पहन पहुंचीं। करीना कपूर के इस लुक को काफी पसंद की किया जा रहा है। करीना की साड़ी हैवी सेक्विन वर्क से सजी है, जिसे उन्होंने बड़े ही ग्रेस के साथ कैरी किया। जहां साड़ी का ओपन पल्लू करके उसे बैक साइड से लाकर फ्रंट में हाथ से पकड़कर चलना लुक को क्लासी वाइब्स दे गया। करीना ने ब्लाउज को भी ड्रामेटिक टच दे ही दिया। हॉल्टर नेकलाइन ब्लाउज पर सेम साड़ी जैसे सेक्विन और पर्ल्स लगे हैं। जब इवेंट जूलरी ब्रांड का है, तो लाजमी है कि हसीना उन्हीं के लेबल के गहनों में नजर आईं। हसीना ने बेहद सुंदर और चमचमाते डायमंड ड्रॉप इयररिंग्स पहने और साथ में ब्रेसलेट भी कैरी किया। इसके अलावा वह लेबल की सिल्वर शाइनी हील्स पहने नजर आईं।जिससे करीना का साड़ी में देसी अवतार छा गया। करीना के लॉन्च इवेंट का हिस्सा बनने के लिए हजारों लोग आए थे, जिसके लिए उन्होंने स्टेज पर शानदार डांस परफॉर्मेंस भी दिया।

मां के नाम विक्रम भट्ट का भावुक पोस्ट, कहा- पता नहीं अच्छा वक्त आएगा भी या नहीं

फिल्म निमार्ता विक्रम भट्ट की मां वर्षा भट्ट का शनिवार 6 सितंबर को निधन हो गया। लंबे समय से बीमारी से लड़ रही विक्रम भट्ट की मां ने 85 की उम्र में अंतिम सांस ली। विक्रम भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बताया कि उनकी मां पिछले कुछ महीनों से दर्द में थीं। अब वह बेहतर जगह पर चली गई हैं। विक्रम भट्ट ने एक भावुक नोट में लिखा-दुःख अलग प्रकृति का होता है। शुरूआत में यह ऐसा होता है कि लगता है जैसे एक सिसकी आपके सीने में अटकी हुई है। ऐसा लगता है कि यह सिसकी आपको नहीं छोड़ेगी। फिर धीरे-धीरे सिसकी में विराम आता है। जीवन की नीरसता के बीच राहत का एक क्षण आता है। यह पहले से बेहतर तरीके से आता है। मुझे पता है कि दुःख और नीरसता के बीच अच्छा समय आएगा। कहा जाता है कि समय सभी घावों को भर देता है। हालांकि वह समय अभी मेरे लिए नहीं आया है। मैं सोच रहा हूं कि क्या वह समय कभी आएगा भी या नहीं।श्विक्रम भट्ट ने उन सभी लोगों का आभार व्यक्त किया जिसने उनके कठिन वक्त में उनका साथ दिया। फिल्म निमार्ता ने अपनी मां के लिए प्रार्थना करते हुए अपनी पोस्ट खत्म की। विक्रम भट्ट की मां वर्षा भट्ट जाने-माने सिनेमैटोग्राफर प्रवीण भट्ट की पत्नी थीं। उनका अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर 2.00 बजे वसोर्वा श्मशान घाट पर परिवार के करीबी सदस्यों की मौजूदगी में किया गया। विक्रम भट्ट ने निर्देशक मुकुल आनंद की पहली फिल्म श्कानून क्या करेगा में उनके सहायक के रूप में फिल्मी दुनिया में कदम रखा। उस समय उनकी उम्र 14 वर्ष थी। बाद में भट्ट ने कई बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में आमिर खान अभिनीत गुलाम भी शामिल है।साल 2008 में विक्रम भट्ट ने हॉरर फिल्में 1920, शापित और हॉन्टेड थ्रीडी बनाईं।

दारासिंग खुराना ने हरनाज संधू और सिमरत कौर की फिल्मों के एक ही दिन रिलीज होने पर अपनी राय दी

अभिनेता और कॉमनवेल्थ ग्लोबल यूथ एंबेसडर दारसिंग खुराना ने हाल ही में अपने दो पुराने साथियों हरनाज कौर संधू और सिमरत कौर को याद किया। दोनों की नई फिल्में एक ही दिन सिनेमाघरों में आ रही हैं। यह बात उनके लिए यादों और खुशी का पल बन गई।साल 2022 में तीनों कलाकार पहली बार पंजाबी फिल्म बाई जी कुट्टांगे में साथ नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन स्मीप कांग ने किया था। यह फिल्म तीनों के लिए खास थी। मिस्टर इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद दारसिंग खुराना ने इसी से अपना अभिनय शुरू किया था। हरनाज संधू का भी यह पहला पर्दे पर काम था, जिसके बाद उन्होंने मिस यूनिवर्स 2021 का ताज जीता। वहीं सिमरत कौर पहले ही साउथ की फिल्मों में काम करके पहचान बना चुकी थीं। फिल्म में देव खरौड़, उपासना सिंह और गुरप्रीत घुग्गी जैसे बड़े कलाकार भी थे।इसके बाद तीनों के रास्ते अलग-अलग हो गए। हरनाज अब बॉलीवुड में एंट्री कर रही हैं। वह टाइगर श्रॉफ और सोनम बाजवा के

साथ बागी-4 में काम कर रही हैं। दूसरी तरफ सिमरत कौर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स में नजर आएंगी। यह फिल्म पहले से ही चर्चा में है और दर्शक इसका इंतजार कर रहे हैं। दारसिंग खुराना ने इंस्टाग्राम पर लिखा यह मेरे लिए खुशी और पुरानी यादों का समय है। मैंने हरनाज और सिमरत दोनों के साथ उनके करियर की शुरूआत में काम किया था। आज उन्हें आगे बढ़ते और सफल होते देखना बहुत अच्छा लगता है। मैं दोनों को दिल से शुभकामनाएँ देता हूँ। उनकी मेहनत हमेशा सबको प्रेरित करती रहे। आज जहाँ हरनाज और सिमरत अपनी फिल्मों से लोगों का दिल जीत रही हैं, वहीं दारसिंग खुराना ने फिल्मों से आगे बढ़कर एक नई पहचान बनाई है। वह कॉमनवेल्थ ग्लोबल यूथ एंबेसडर के रूप में दुनिया के युवाओं की आवाज उठा रहे हैं। वह कई देशों में युवाओं से जुड़े मुद्दों और उनके हक की बात कर रहे हैं।

अली गोनी ने खोला जैस्मीन भसीन के बुर्का वीडियो का सच, बोले- 'हम एक-दूसरे पर धर्म थोपते नहीं हैं'

क्या अभिनेत्री जैसमीन भसीन को बुर्का पहनने के लिए बॉयफ्रेंड अली गोनी ने मजबूर किया है? अभिनेता ने अब एक इंटरव्यू में पूरे मामले पर अपनी तरफ से सफाई दी है। कभी ये है मोहब्बतें और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज में अपनी मौजूदगी से पहचान बनाने वाले अली गोनी का नाम पिछले काफी दिनों से सुर्खियों में बना हुआ है। बीते दिनों उनकी गर्लफ्रेंड और अभिनेत्री जैस्मीन भसीन का बुर्का पहने हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसके कुछ दिनों बाद अली गोनी का गणपति उत्सव से एक वीडियो आया जिसमें वो गणपति बप्पा मोर्या तक नहीं बोल रहे थे। इसके बाद काफी हंगामा हुआ और यहां तक कि उन पर अपनी गर्लफ्रेंड को बुर्का पहनने पर मजबूर करने का आरोप लगा। बुर्का विवाद पर अली का बयान अली गोनी ने अब इस पूरे मामले को लेकर बयान दिया है और बताया कि यह वीडियो अबू धाबी की शेख जायद मस्जिद का है, जहां उनकी बहन और जैस्मीन गई थीं। वहां प्रवेश के लिए अबाया (बुर्का) पहनना अनिवार्य था, इसलिए उन्होंने पास से अबाया खरीदा और उसे पहनकर अंदर प्रवेश किया। अली का कहना है कि लोगों ने इस साधारण सी बात को तोड़-मरोड़कर यह अफवाह फैलाई कि वह जैस्मीन को मदीना लेकर गए थे। गणपति उत्सव पर भी हुई ट्रोलिंग अली गोनी को इससे पहले गणेश उत्सव के दौरान भी आलोचना झेलनी पड़ी थी, जब एक वीडियो में वो 'गणपति बप्पा मोर्या' नहीं बोलते दिखे। इसको लेकर भी सोशल मीडिया पर लोगों ने उन्हें निशाना बनाया। अली का कहना है कि लोग छोटी-छोटी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं, जबकि वह हमेशा सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। 'धर्म व्यक्तिगत है, मजबूरी नहीं' अपनी गर्लफ्रेंड जैस्मीन को लेकर उठे सवालों पर अली ने साफ कहा कि उनका रिश्ता आपसी सम्मान और विश्वास पर टिका है। उन्होंने कहा- 'जैस्मीन पिछले चार साल से मेरे साथ है। अगर उसे रोजा या किसी और धार्मिक रीति-रिवाज का मन नहीं है, तो मैं उसे कभी मजबूर नहीं करूंगा। यह उसकी अपनी पसंद है। उसी तरह वह भी मुझे किसी चीज के लिए मजबूर नहीं करती।' अली का कहना है कि धर्म को लेकर लोगों को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय आपसी समझ और सहिष्णुता सीखनी चाहिए। शादी की योजनाओं पर भी बोले इंटरव्यू में अली से उनकी और जैस्मीन की शादी के बारे में भी सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि अभी उनकी शादी का कोई प्लान नहीं है। अली ने मजाकिया अंदाज में कहा- 'इसमें हमारी नहीं, ऊपरवाले की मर्जी चलती है। जब भगवान चाहेंगे, तभी यह होगा।' अली-जैस्मीन की लव स्टोरी बता दें दोनों की मुलाकात साल 2018 में हुई थी जब वो खतरों के खिलाड़ी में साथ नजर आए।

आईटीआर रिटर्न दाखिल करने के लिए केवल एक हफ्ते; फॉर्म में देरी और तकनीकी दिक्कतों के कारण अब उठी यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का मानना है कि आम तौर पर करदाताओं के पास अपना रिटर्न तैयार करने और दाखिल करने के लिए लगभग 122 दिन (1 अप्रैल से 31 जुलाई) का समय होता है। लेकिन इस साल, यूटीलिटी फॉर्म्स काफी देर से जारी किए गए, इससे रिटर्न दाखिल करने के समय में कमी आ गई है। दूसरी ओर, लोगों को तकनीकी दिक्कतों का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार से क्या मांग की गई है, आइए जानते हैं विस्तार से। आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर, 2025, अब केवल एक हफ्ते दूर है। इस बीच कई संगठनों ने वित्त मंत्रालय से आईटीआर रिटर्न दाखिल करने की तारीख बढ़ाने की अपील की है। कारण है देरी से फॉर्म जारी किया जाना और फिर इसके बाद रिटर्न फाइल होने होने में बार-बार आ रही परेशानी। 2 सितंबर, 2025 को भीलवाड़ा स्थित टैक्स बार एसोसिएशन ने भी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को पत्र लिखकर समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया।

'अमेरिकी लोगों को प्रशिक्षित करें'

हुंडई प्लांट पर हुई छापेमारी और विवाद के बीच ट्रंप का नया शिगूफा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को विदेशी कंपनियों को चेतावनी दी कि उन्हें अमेरिकी कानून का पालन करना चाहिए। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया में बन रहे हुंडई-एलजी बैटरी प्लांट में लगभग 300 कथित रूप से अवैध दक्षिण कोरियाई कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद ट्रंप का यह बयान सामने आया है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि 'कृपया हमारे देश के आव्रजन कानूनों का सम्मान करें। आपके निवेश का स्वागत है और हम कानूनी रूप से बुद्धिमान लोगों को अमेरिका लाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, लेकिन बदले में हम भी आपसे चाहते हैं कि आप अमेरिकी कर्मचारियों की नियुक्ति करें और उन्हें प्रशिक्षित करें।' जॉर्जिया में दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई और एलजी के प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। जहां शुक्रवार को अमेरिकी अप्रवासन विभाग ने 475 लोगों को हिरासत में लिया था। इनमें से अधिकतर दक्षिण कोरियाई कर्मचारी थे, जो कथित तौर पर अवैध रूप से अमेरिका में रहकर प्लांट में काम कर रहे थे। अप्रवासन विभाग ने जब कथित अवैध कर्मचारियों को हिरासत में लिया तो एक फुटेज में दिख रहा है कि हिरासत में लिए गए लोगों को हथकड़ी और पैरों में जंजीरों से बांधकर बस में चढ़ाया जा रहा है। इसे लेकर दक्षिण कोरिया की सरकार ने नाराजगी जताई है। दक्षिण कोरिया में घटना को लेकर नाराजगी कंपनी की तरफ से कहा गया है कि उसके 47 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 46 दक्षिण कोरियाई और एक इंडोनेशियाई नागरिक है। कंपनी ने यह भी कहा है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से करीब 250 लोग ठेकेदार के कर्मचारी थे, जो दक्षिण कोरियाई नागरिक हैं। दक्षिण कोरिया, अमेरिका में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। हाल ही में राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने अमेरिका का दौरा कर और 350 अरब डॉलर के निवेश का एलान किया। हालांकि अमेरिकी आव्रजन विभाग की कार्रवाई को लेकर दक्षिण कोरिया के लोगों में नाराजगी है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे ट्रंप ट्रंप प्रशासन अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को फिर से मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है और विभिन्न देशों पर टैरिफ भी अमेरिकी सरकार की इसी योजना का हिस्सा है। साथ ही ट्रंप प्रशासन अवैध अप्रवासियों के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाए हुए हैं और बड़ी संख्या में अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लेकर उनके देश निर्वासित किया जा रहा है। दक्षिण कोरिया ने रविवार को एक बयान में कहा कि हिरासत में लिए गए कर्मचारियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए बातचीत पूरी हो गई है और उन्हें जल्द ही रिहा कर घर भेज दिया जाएगा।

नासिक में एमएसआरटीसी बस और मोटरसाइकिल की टक्कर, तीन लोगों की मौत

नासिक (एजेंसी)। सोमवार को नासिक जिले में महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की बस और एक दोपहिया वाहन की टक्कर में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। महाराष्ट्र के नासिक जिले में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम की बस और मोटरसाइकिल की जोरदार टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, नासिक जिले के भंवरपाड़ा फाटा के पास एक बस अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकिल से टकरा गई।

मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सटाना पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह 11 बजे ताहराबाद-सटाना मार्ग पर वनोली गांव के पास भंवरपाड़ा फाटा पर हुई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान गोविंदा कालू पवार, विकास जयराम माली और रोशन दयाराम माली के रूप में हुई है, जो सभी सुकतमन गाँव के निवासी हैं। उन्होंने कहा, मुंबई के पास पालघर ज़िले में नंदुरबार से वसई जा रही एमएसआरटीसी बस से मोटरसाइकिल उस समय टकरा गई जब सवार ने दोपहिया वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। मोटरसाइकिल पर सवार गोविंद पवार, विकास माली और रोशन माली की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल बस के अंदर धंस गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। कुछ देर के लिए इस मार्ग पर यातायात ठप हो गया।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को बड़ा झटका

ब्यूनस आयर्स प्रांतीय चुनाव में हारी पार्टी

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। मिलेई भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्षियों के घेरते रहे, लेकिन अब उनके राष्ट्रपति रहते हुए मिलेई के परिवार वालों पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि मिलेई की बहन ने दवाइयों के ठेके में रिश्वत ली। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को बड़ा झटका लगा है। दरअसल रविवार को ब्यूनस आयर्स के प्रांतीय चुनाव में मिलेई की उदारवादी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में मध्यावधि चुनाव के लिए पार्टी के प्रदर्शन पर सवाल खड़े हो गए हैं। जेवियर मिलेई की पार्टी को प्रांतीय चुनाव में 34 प्रतिशत मत मिले हैं। वहीं अर्जेंटीना की पुरानी पार्टी पेरोनिज्म पार्टी को जीत मिली और

पार्टी ने 47 प्रतिशत मत हासिल किए। अर्थव्यवस्था के मामले में चुनौतियों से घिरे मिलेई ये नतीजे मिलेई के लिए एक बड़ा झटका हैं क्योंकि वे अर्जेंटीना की संकटग्रस्त अर्थव्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन कर रहे हैं। मिलेई की नीतियों से अर्जेंटीना की मुद्रा पेसो स्थिर तो हो गई है, लेकिन अर्जेंटीना का श्रमिक वर्ग अभी भी परेशान है। राजनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि ब्यूनस आयर्स के प्रांतीय चुनाव के नतीजे सरकार के लिए एक चेतावनी हैं। मिलेई की तुलना डोनाल्ड ट्रंप से की जाती है। मिलेई भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्षियों के घेरते रहे, लेकिन अब उनके राष्ट्रपति रहते हुए मिलेई के परिवार वालों पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि मिलेई की बहन ने दवाइयों के ठेके में रिश्वत ली। मध्यावधि चुनाव पर हो बड़ा असर गौरतलब है कि अर्जेंटीना की अर्थव्यवस्था सिकुड़ रही है, उपभोक्ता विश्वास गिर रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है और ब्याज दरें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच रही हैं क्योंकि सरकार नकदी की कमी से जूझ रहे मतदाताओं को खुश करने की उम्मीद में पेसो को सहारा देने और मुद्रास्फीति को कम करने के लिए बार-बार मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर रही है। रविवार को ब्यूनस आयर्स की दर्जनों नगर पालिकाओं में पार्षदों के चुनाव के लिए हुए मतदान से राष्ट्रीय नीति में कोई बदलाव नहीं आएगा, न ही इसका राष्ट्रीय कांग्रेस पर कोई प्रभाव पड़ेगा, लेकिन अक्तूबर के अंत में निचले सदन के आधे और सीनेट के एक तिहाई सीटों के लिए होने वाले मध्यावधि चुनाव पर इसका गहरा असर हो सकता है।

तूफान 'तपाह' से चीन में तबाही: 110 किमी की रफ्तार से चली हवा, 100 उड़ानें प्रभावित; 60000 लोगों को निकाला गया

गुआंगडोंग (एजेंसी)। चीन में उष्णकटिबंधीय तूफान तपाह ने दस्तक दे दी है। जिसके कारण सरकार ने अलर्ट जारी कर दिया है। उष्णकटिबंधीय तूफान ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8:50 बजे गुआंगडोंग के ताईशान शहर के तटीय क्षेत्र में टकराया। इसके परिणामस्वरूप शहर के आर्थिक केंद्र के पास अधिकतम निरंतर हवाएं 30 मीटर (98 फीट) प्रति सेकंड तक पहुंच गईं थीं। हांगकांग ने भी जारी किया अलर्ट वहीं, हांगकांग की वेधशाला ने रविवार को ही इस तूफान को लेकर अलर्ट जारी कर दिया था। वेधशाला ने रविवार रात को तूफान से अलर्ट के लिए आठ नंबर सिग्नल जारी किया था। वेधशाला ने अलर्ट में बताया था कि सुबह 9 बजे तपाह के केंद्र के पास लगभग 68 मील (110 किमी) प्रति घंटे की रफ्तार से लगातार हवाएं चल रही हैं। बंद कर दिए गए हैं स्कूल-कॉलेज, उड़ानें भी प्रभावित तपाह की

दस्तक से सबसे ज्यादा प्रभावित दक्षिणी चीन का गुआंगडोंग प्रांत हुआ है। जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिए गए हैं। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, हांगकांग के निकट गुआंगडोंग प्रांत के आर्थिक केंद्र ने तूफान से पहले ही कई रेल और नौका सेवाओं को रोक दिया था। रविवार दोपहर तक पूरे क्षेत्र से लगभग 60,000 लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। यहां लगभग 100 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे यात्रियों को खासी परेशानी का भी सामना करना पड़ा। इस दौरान कई यात्री हवाईअड्डे पर कुर्सियों पर रात गुजारते दिखे। वहीं,बीजिंग से आ रहा एक एचके एक्सप्रेस की एक फ्लाइट लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गई, हालांकि इस हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं आई। वहीं, तूफान के कारण तीन लोग घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। सरकार को गुआंगडोंग में पेड़ों के गिरने और बाढ़ आने की लगभग 100 से ज्यादा रिपोर्टें मिलीं, जिसके बाद सैकड़ों लोगों ने अस्थायी केंद्रों में शरण ली है। मकाऊ में भी कुछ हिस्सों में हल्की बाढ़ की खबर है।

जम्मू-कश्मीर में बाढ़-बारिश का असर; कुछ ट्रेनें रद्द, कई का बदला रूट, सफर से पहले पढ़ लें स्टेटस

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के चलते यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेन संचालन को सुचारू रखने के लिए उत्तर रेलवे ने कुछ आवश्यक बदलाव किए हैं। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के चलते यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेन संचालन को सुचारू रखने के लिए उत्तर रेलवे ने कुछ आवश्यक बदलाव किए हैं। इन बदलावों के तहत

कुछ ट्रेनों का संचालन सीमित किया गया है जबकि कुछ सेवाओं को अस्थायी रूप से रद्द करना पड़ा है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए स्थिति के अनुसार यह कदम उठाए जा रहे हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा की योजना बनाने से पहले रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या हेल्पलाइन से अपनी ट्रेन की नवीनतम स्थिति अवश्य जांच लें। रेलवे की ओर से उपलब्ध करवाई की गई जानकारी में बताया गया है कि ट्रेन संख्या 12446 (श्री माता वैष्णो देवी कटराझनई दिल्ली) दिनांक 9 सितंबर 2025 को जम्मू से शुरू होगी। यानी यह ट्रेन कटरा से न चलकर जम्मू से अपनी यात्रा प्रारंभ करेगी। कटरा में हालत ठीक न होने के कारण ये फैसला सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है। इसके अलावा संचालन संबंधी कारणों से ट्रेन संख्या 12035 टनकपुर- दिल्ली 7 को रद्द कर दी गई है। ट्रेन संख्या 12036 दिल्ली - टनकपुर को 8 सितंबर को रद्द कर दिया गया है।

फलस्तीन को मान्यता देकर भारी गलती कर रहे कई देश', इस्राइल की चेतावनी- इससे शांति नहीं आएगी

तेल अवीव (एजेंसी)। इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हाल के समय में कई देशों द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने के एलान की कड़ी आलोचना की है। सार ने इसे बड़ी गलती बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति आ सकती है और इस्राइल को भी एकतरफा तरीके से कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल अवीव में डेनमार्क के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गिदोन सार ने कहा कि फलस्तीन को इस तरह से मान्यता देने से शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा और यह हमास जैसे संगठनों की हिम्मत बढ़ाएगा। गिदोन सार ने कहा 'फ्रांस, ब्रिटेन जैसे देश कथित फलस्तीनी देश को मान्यता देने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन ये एक भारी गलती है। अगर आप राज्य की मान्यता को शांति से अलग करके देखेंगे तो आप शांति स्थापित करने की कोशिशों को और मुश्किल ही बनाएंगे।' उल्लेखनीय है कि फ्रांस समेत कई देशों ने आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में फलस्तीन को मान्यता देने का एलान किया है। इस्राइल द्वारा गाजा में की जा रही कार्रवाई के विरोध में यूरोपीय देशों ने यह फैसला किया है। इस्राइली विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी शांति समझौता द्विपक्षीय ढांचे के तहत किया जाना चाहिए और अभी तक फलस्तीन को जो भी कुछ मिला है, वह द्विपक्षीय बातचीत से ही संभव हुआ है। सार ने कहा कि फलस्तीन को एकतरफा तरीके से देश की मान्यता देना हमास को तोहफा देने जैसा है।

हमास ने ही 7 अक्तूबर 2023 को इस्राइल पर हमला कर 1200 लोगों को मौत के घाट उतार दिया था और 252 लोगों को बंधक बना लिया था। इनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे। इस हमले के बाद ही इस्राइल ने गाजा में हमले शुरू किए, जो अब तक जारी हैं। पश्चिमी देशों को इस्राइल ने किया सावधान गिदोन सार ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर एकतरफा तरीके से फलस्तीन को मान्यता दी गई तो इससे क्षेत्र में अशांति और अस्थिरता फैलेगी। साथ ही इससे इस्राइल भी अपनी मर्जी से कदम उठाने को मजबूर होगा और यह पूरे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए भारी गलती होगी। इस्राइल की सरकार ने यूरोपीय देशों से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की। फ्रांस के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया ने भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने का एलान किया है। हाल ही में बेल्जियम ने भी ये घोषणा कर दी। 'मृतकों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा हमास' इस्राइल के विदेश मामलों के महानिदेशक एडेन बार ताल ने दावा किया है कि गाजा में मौतों और घायलों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमास का कहना है कि 60 हजार लोग मारे गए हैं, लेकिन ये आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हैं। हमें इसका पता कैसे चला? क्योंकि हमास की सूची में चार-चार बार एक ही मृतक का नाम देखा गया है। उन्होंने कहा कि खुफिया रिपोर्ट्स के आधार पर हमारा मानना है कि हमास के 15-20 हजार उग्रवादी मारे गए हैं और नागरिकों का आंकड़ा काफी कम है।

पाकिस्तान में मंत्रियों समेत हजारों लोगों का डेटा लीक, संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन बिक रही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोबाइल लोकेशन का डेटा सिर्फ 500 रुपये में ऑनलाइन बिक रहा है। वहीं मोबाइल रिकॉर्ड का डेटा 2000 रुपये और विदेश दौरों की जानकारी पांच हजार रुपये में मिल रही है। पाकिस्तान में केंद्रीय मंत्रियों समेत हजारों लोगों का संवेदनशील डेटा लीक हो गया है। लीक हुआ डेटा ऑनलाइन बिक्री के लिए भी उपलब्ध है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री के लिए जो

डेटा उपलब्ध है, उसमें मोबाइल सिम, कॉल लॉग, राष्ट्रीय पहचान पत्र और विदेश दौरे की जानकारी आदि शामिल है। जिन लोगों के डेटा लीक हुए हैं, उनमें कई केंद्रीय मंत्री और पार्टियों के प्रवक्ता शामिल हैं। ऑनलाइन बिक रहा संवेदनशील डेटा पाकिस्तान में डेटा लीक की घटनाएं पूर्व में भी हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान की सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। यहां तक कि जिन वेबसाइट्स से डेटा लीक होने की शिकायत हुई, उनके खिलाफ भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोबाइल लोकेशन का डेटा सिर्फ 500 रुपये में ऑनलाइन बिक रहा है। वहीं मोबाइल रिकॉर्ड का डेटा 2000 रुपये और विदेश दौरों की जानकारी पांच हजार रुपये में मिल रही है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जिन लोगों का डेटा लीक हुआ है, उनका उत्पीड़न किया जा सकता है। पाकिस्तान सरकार ने दिए जांच के आदेश डेटा लीक को लेकर पाकिस्तान की आम जनता में भारी नाराजगी है। लोगों की मांग है कि डेटा लीक के लिए लोगों की जवाबदेही तय की जाए और ये पता लगाया जाए कि इस डेटा लीक के पीछे कौन है।

तीन बच्चों के साथ चार साल से फरार पिता को पुलिस ने मुठभेड़ में किया ढेर

दो बच्चे अब भी लापता

वेलिंगटन (एजेंसी)। फिलिप्स को मई 2023 में बैंक डकैती के दौरान भी देखा गया था, जब वह एक बच्चे के साथ था और उसने एक नागरिक पर गोली चलाई थी। अगस्त 2024 में वह आखिरी बार सीसीटीवी में दिखा, जब उसने एक ग्रोसरी स्टोर में चोरी की। फिलिप्स और उसके बच्चों के गुमशुदगी के इस मामले ने पूरे न्यूजीलैंड को झकझोर दिया था। अब पुलिस की पूरी कोशिश दो लापता बच्चों को ढूंढ़ने की है। न्यूजीलैंड में लगभग चार साल से अपने तीन बच्चों के साथ फरार एक व्यक्ति को पुलिस ने सोमवार को मुठभेड़ में गोली मार दी। यह शख्स 2021 से देश की पुलिस के लिए सबसे बड़ी पहेली बना हुआ था। मारे गए व्यक्ति की पहचान आधिकारिक रूप से नहीं हुई है, लेकिन न्यूजीलैंड की एक्टिंग डिप्टी पुलिस कमिश्नर जिल रोजर्स ने बताया कि पुलिस को पूरा भरोसा है कि यह टॉम फिलिप्स ही है। फिलिप्स के परिजनों ने भी स्थानीय मीडिया को उसकी मौत की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारी को गोली मारी, हालत गंभीर घटना सोमवार सुबह की है, जब फिलिप्स ने अपने एक बच्चे के साथ एक कृषि सामान की दुकान में चोरी की। पुलिस के पहुंचते ही उसने गोली चला दी, जिसमें एक पुलिस अधिकारी के सिर में गंभीर चोट आई। अधिकारी की हालत नाजुक है और उसका ऑपरेशन चल रहा है। इसके बाद घटनास्थल से फिलिप्स को मार गिराया गया और उसके साथ मौजूद एक बच्चे को सुरक्षित हिरासत में ले लिया गया। 2 बच्चों का कोई सुराग नहीं, मदद करने वालों पर शक फिलिप्स के दो अन्य बच्चे अब भी लापता हैं। पुलिस को उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता है। हिरासत में लिया गया बच्चा जांच में सहयोग कर रहा है। फिलिप्स के पास बच्चों की कानूनी कस्टडी नहीं थी। पुलिस का कहना है कि इन चार वर्षों में बच्चों को न तो स्कूल की शिक्षा मिली और न ही स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच। पुलिस का मानना है कि किसी ने फिलिप्स को इतने वर्षों तक छिपने में मदद की। इलाके के कुछ लोग उसके समर्थन में भी थे। बच्चों को ढूंढ़ने के लिए पिछले साल 80,000 न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 47 लाख रुपये) का इनाम और सूचना देने वालों को कानूनी छूट का वादा किया गया था, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिली।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।